संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 259
पृष्ठ 8
बुधवार
11 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इस तरह बना लेंगे अपनी मॉर्निंग रूटीन...

विचार- युद्धों से यारी के निहितार्थ?

खेल- महज 29 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय...

जब भाजपा सरदार पटेल की जयंती मनाती है, तब विपक्ष जिन्ना का गुणगान गाती है : योगी

बहराइच, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बहराइच में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर विपक्ष पर कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव को वह सम्मान नहीं मिला जिसकी वे हकदार थे। डबल इंजन की भाजपा सरकार ने संकल्प लिया था कि महाराजा सुहेलदेव की विरासत को सम्मान मिलेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास नीति को आगे बढ़ाते हुए उनकी प्रतिमा का अनावरण किया जा रहा है। सीएम ने बताया कि बहराइच के मेडिकल कॉलेज का नाम भी महाराजा सुहेलदेव के नाम पर रखा गया है, साथ ही आजमगढ़ के विश्वविद्यालय का नाम भी उनके नाम पर

रखा गया है। यह कार्यक्रम महापुरुषों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन बंद होना चाहिए और देश के राष्ट्र नायकों का सम्मान होना चाहिए। 1000 साल पहले महाराजा सुहेलदेव ने विदेशी आक्रांता महमूद गजनी को रोका था। उस समय गजनी 3 लाख सैनिकों के साथ भारत पर हमला करने आया था। सीएम ने बताया कि महाराजा सुहेलदेव ने अपनी कूटनीति और शौर्य के बल पर महमूद गजनी की सेना को मथुरा से लेकर बहराइच तक हराया। आक्रांता की सेना आधी तक खत्म हो चुकी थी, जब वे महाराजा के सामने पहुंचे। महाराजा ने 20 से 25 हजार सैनिकों के साथ गजनी की सेना को पूरी तरह पराजित किया। साथ ही, सालार मसूद को भी पकड़कर उसकी सजा दी गई, जो इस्लाम के अनुसार जहन्नुम की सजा मानी जाती है। सीएम योगी ने कहा कि इतिहास में महाराजा सुहेलदेव के साथ नाइंसाफी हुई है, लेकिन अब डबल इंजन सरकार इस नाइंसाफी को खत्म करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने वोट बैंक की राजनीति के चलते महाराजा सुहेलदेव को उचित सम्मान नहीं दिया। ये पार्टियां विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ बोलने से भी डरती थीं ताकि उनका मुस्लिम वोट बैंक न प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि जो लोग जिन्ना का महिमामंडन करते हैं, वे महाराजा सुहेलदेव जैसे महान योद्धाओं को नीचा दिखाते हैं। जब भाजपा सरदार पटेल की जयंती मनाती है, तब समाजवादी पार्टी जिन्ना का गुणगान करती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने खुशी जताई कि गाजी मियां के नाम पर होने वाले आयोजनों को बंद करा दिया गया है। सीएम योगी ने विपक्ष पर अयोध्या में राम मंदिर का विरोध करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन चुका है और राजा राम का दरबार भी वहीं सजा है। उन्होंने बताया कि बिजली पासी जैसे शूरवीरों के नाम पर स्मारक बनाए जाएंगे और 1857 की क्रांति की वीरांगनाओं को भी सम्मान मिलेगा जिन्होंने अंग्रेजों को मात दी थी।

पिछले 11 वर्षों में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया गया : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश में पिछले 11 वर्षों में रक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और सरकार ने रक्षा उत्पादन में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के मौके पर शीर्ष नेतृत्व की ओर से सरकार की

उपलब्धियों का उल्लेख किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में देशवासियों के सामूहिक संकल्प और रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भरता तथा प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता की ओर ले जाने के अटूट दृढ़ संकल्प पर गर्व व्यक्त किया। श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, " पिछले 11 वर्षों में हमारे रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जिसमें आधुनिकीकरण और रक्षा उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनने पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है। देशवासी भारत को और मजबूत बनाने के संकल्प के साथ जिस तरह से एकजुट हुए हैं यह देखकर खुशी होती है।"

आतंकवाद का एकमात्र उद्देश्य भय फैलाना और समाज को अस्थिर करना है : नित्यानंद राय

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि आतंकवाद का एकमात्र उद्देश्य दुनिया भर में भय फैलाना और समाज को अस्थिर करना है इसलिए इसे निर्णायक रूप से पराजित करना जरूरी है। श्री राय ने मंगलवार को यहां 23वें राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति, विकास और मानवाधिकारों के लिए सबसे गंभीर खतरा बन गया है। उन्होंने कहा," हमारा अनुभव है कि आतंकवाद को पूरी तरह से हराने के लिए हमें केवल सैन्य कार्रवाई से ज्यादा की जरूरत है। इसके लिए वैश्विक सहयोग जरूरी है। देशों को एक साथ आना चाहिए, खुफिया जानकारी साझा करनी चाहिए और आतंकवादियों के इरादों तथा तंत्र का पर्दाफाश करना चाहिए जिससे कि उनके नेटवर्क को प्रभावी ढंग से खत्म किया जा सके।"

दिल्ली के अपार्टमेंट में आग, कूदने से दो बच्चों समेत तीन की मौत

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका जिला स्थित एक अपार्टमेंट में मंगलवार को आग लगने से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना पूर्वाह्न करीब 10:00 बजे द्वारका सेक्टर 13 स्थित शब्द अपार्टमेंट की है। आग की लपटों में घिरे फ्लैट से जान बचाने के लिए

करीब 35 साल के यश और उनके परिवार के दो अन्य बच्चों ने सातवीं मंजिल की बालकनी से छलांग लगा दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। तीनों को तत्काल पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि आपकी इस घटना में यश की पत्नी और बड़े बेटे भी घायल हो गए। उनका इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दिल्ली फायर ब्रिगेड कर्मियों ने दमकल की आठ गाड़ियों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

आतंकवाद का एकमात्र उद्देश्य भय फैलाना और समाज को अस्थिर करना है : नित्यानंद राय

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि आतंकवाद का एकमात्र उद्देश्य दुनिया भर में भय फैलाना और समाज को अस्थिर करना है इसलिए इसे निर्णायक रूप से पराजित करना जरूरी है। श्री राय ने मंगलवार को यहां 23वें राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति, विकास और मानवाधिकारों के लिए सबसे गंभीर खतरा बन गया है। उन्होंने कहा," हमारा अनुभव है कि आतंकवाद को पूरी तरह से हराने के लिए हमें केवल सैन्य कार्रवाई से ज्यादा की जरूरत है। इसके लिए वैश्विक सहयोग जरूरी है। देशों को एक साथ आना चाहिए, खुफिया जानकारी साझा करनी चाहिए और आतंकवादियों के इरादों तथा तंत्र का पर्दाफाश करना चाहिए जिससे कि उनके नेटवर्क को प्रभावी ढंग से खत्म किया जा सके।"

नदी में डूबने से आठ युवकों की दर्दनाक मौत, सीएम भजनलाल शर्मा जताया दुख

टोंक, एजेंसी। राजस्थान के टोंक जिले में मंगलवार को बनास नदी में डूबने से आठ युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ये लोग नदी में तैरने गए थे, लेकिन यह मजेदार सैर एक भयानक त्रासदी में बदल गई। शुरुआती रिपोर्ट्स से पता चलता है कि मृतक टोंक और जयपुर जिले के अलग-अलग इलाकों से थे। प्रत्यक्षदर्शियों और अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने प्रशासन की मदद से घंटों की तलाशी के बाद सभी शवों को बरामद कर लिया। खबर फैलते ही माहौल गमगीन हो गया और जिला अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई, जहां शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा का ट्वीट किया कि टोंक जिले में स्थित बनास नदी में युवकों की डूबने से हुई मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को त्वरित रूप से रेस्क्यू एवं राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति दें। शांति! इन सभी युवकों की उम्र 25 से 30 साल के बीच थी। हादसा बनास नदी पुराने पुल के पास कच्चा बंधा के समीप हुआ। उन्होंने बताया कि तीन युवकों को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया गया। एक अधिकारी के अनुसार ये जयपुर के हसनपुरा इलाके के रहने वाले थे। उनके परिजनों से संपर्क किया जा रहा है।

भूमिहीन कैंप में बुलडोजर एक्शन, विरोधी प्रदर्शन में शामिल हुईं आतिशी, पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व सीएम आतिशी को दिल्ली पुलिस ने उस समय हिरासत में ले लिया जब वह कालकाजी के भूमिहीन कैंप में तोड़फोड़ विरोधी प्रदर्शन में शामिल थीं। आतिशी ने मंगलवार को दावा किया कि

कालकाजी स्थित भूमिहीन कैंप में तोड़फोड़ अभियान से पहले बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा झुग्गी-झोपड़ी कैंप में स्थित घरों पर बेदखली के नोटिस चिपका दिए गए हैं, जिनमें अतिक्रमणकारियों को तीन दिन के भीतर स्थान छोड़ने या कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी गई है। शिविर, जहां अधिकांश निवासी प्रवासी श्रमिक हैं, में पिछले कुछ वर्षों में तीन बार ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया है – इस वर्ष मई और जून में तथा जुलाई 2023 में। आतिशी ने एक्स पर लिखा कि कल भाजपा वाले भूमिहीन कैम्प पर बुलडोज़र चलाने वाले हैं। आज वहाँ के झुग्गी वाले प्रोटेस्ट करने वाले थे तो भाजपा सरकार ने हज़ारों की संख्या में पुलिस और सीआरपीएफ को भेज दिया है। रेखा गुप्ता जीः आपने तो कहा था कि कोई झुग्गी नहीं तोड़ेंगे? तो इतनी पुलिस और सीआरपीएफ क्यों तैनात है? गुप्ता ने रविवार (8 जून, 2025) को कहा था कि अधिकारी अदालतों द्वारा जारी किए गए ध्वस्तीकरण आदेशों के खिलाफ नहीं जा सकते हैं और इस बात पर जोर दिया कि विस्थापित निवासियों को आवास प्रदान किया गया है। यह टिप्पणी विपक्षी आप द्वारा दक्षिणी दिल्ली में बारापुला के पास मद्रासी कैंप झुग्गी बस्ती को ढहाने और शहर के अन्य हिस्सों में इसी तरह के ध्वस्तीकरण अभियान की आलोचना के बीच आई है।

कैप्टन विजयंत थापर सहित 65 शूरवीरों के परिजनों को सम्मानित किया सेना ने

नयी दिल्ली, एजेंसी। सेना ने 26वें कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में करीब डेढ महीने तक चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत इस लड़ाई के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के परिजनों को सम्मानित करने की कड़ी में मंगलवार को कैप्टन विजयंत थापर (वीर चक्र) सहित 65 शूरवीरों के परिजनों को उनके घर जाकर सम्मानित किया। सेना ने बताया है कि कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर सेना सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के घर-घर जाकर वीर सैनिकों के परिजनों तथा देशवासियों को भारत मां के इन वीर सपूतों के अदम्य साहस और उनके शौर्य की पराकाष्ठा के बारे में जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही सेना सभी वीर सेनानियों के घर जाकर सम्मानपूर्वक स्मृति चिन्ह भेंट करके उन्हें सम्मानित कर रही है। सेना के अधिकारियों का एक दल कैप्टन थापर के नोएडा स्थित आवास पर पहुंचा और उनके माता पिता से

मुलाकात कर उन्हें आभार पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सेना के अधिकारी इसके अलावा यहां राजधानी दिल्ली में वीर चक्र से सम्मानित राइफलमैन अनसुया प्रसाद की पत्नी, जयपुर में हवलदार बस्ती राम की पत्नी , कुरूक्षेत्र में लांस नायक गुरमेल सिंह के माता पिता , राजस्थान के वैशाली नगर में नायक आनंद सिंह की पत्नी और देहरादून में सेना पदक से सम्मानित हवलदार हरिओम के परिजनों सहित 60 से अधिक योद्धाओं के परिजनों से मिले और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर सेना की ओर से यह भावना भी व्यक्त की जा रही है कि वह अपने वीर साथियों को कभी नहीं भूलती और न कभी भूलेगी। सेना का कहना है, "यह हमारा कर्तव्य और हमारी भावना है कि हम उनके परिजनों को बताएं कि हमारे वीर सेनानियों का बलिदान व्यर्थ नहीं गया है । हमारे वीर बलिदानियों का परिवार अकेला नहीं है, भारतीय सेना उसका परिवार है और पूरी भारतीय सेना हमेशा उनके साथ खड़ी है।" सेना का यह कदम शूरवीरों को सम्मान देने के साथ-साथ यह भी बताता है कि देश अपने वीर बलिदानियों को कभी नहीं भूलता है। सेना के इस कदम से मां भारती के वीर बलिदानियों के परिवार भावुक हो उठे। सेना के अनुसार ये कार्यक्रम विजय दिवस यानी 26 जुलाई तक आयोजित किये जायेंगे और इनमें देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले नायकों की अदम्य भावना, बलिदान और साहस का सम्मान किया जाएगा। देश में हर वर्ष 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस मनाया जाता है जो राष्ट्र के दिल में गौरव और गंभीर यादों के साथ अंकित है। वर्ष 1999 में इसी दिन भारत ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ कर सामरिक रूप से महत्वपूर्ण करगिल की चोटियों को उनके कब्जे से छुड़ा कर ऑपरेशन विजय को सफलतापूर्वक पूरा किया था।

देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या सात हजार के करीब

नयी दिल्ली, एजेंसी। देशभर में कोराना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या मंगलवार सुबह तक 6815 पहुंच गयी और पिछले 24 घंटों के दौरान इसके संक्रमण से तीन और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 68 पहुंच गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक 324 नए संक्रमण के मामले सामने आए, जिससे कुल सक्रिय मामलों की संख्या 6,815 हो गई और इस बीमारी के संक्रमण से 7644 मरीज स्वस्थ हो गये हैं। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से तीन और मरीजों की जान जाने से मृतकों की संख्या 68 हो गयी है। इस अवधि में राष्ट्रीय राजधानी, केरल और झारखंड से एक-एक मरीज की मौत हुई है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए

हैं। देश में 30 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है। जिनमें से केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। कोरोना संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, जहां आज सुबह तक 96 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ इसका आंकड़ा दो हजार पार कर 2053 तक पहुंच गया और दिल्ली में लगभग 37 मामलों के घटने से संक्रमितों की कुल संख्या 691 रह गई। इसके अलावा गुजरात में 1109, पश्चिम बंगाल में 747, महाराष्ट्र में 613, कर्नाटक में 559, तमिलनाडु में 207, उत्तर प्रदेश में 225, राजस्थान में 124, हरियाणा में 108, आंध्र प्रदेश में 86, पुडुचेरी में नौ, सिक्किम में 36, मध्य प्रदेश में 52, छत्तीसगढ में 44, बिहार में 48, ओडिशा में 39, पंजाब में 30, जम्मू-कश्मीर में नौ, झारखंड में छह, असम में तीन, गोवा में पांच, तेलंगाना में 10, उत्तराखंड में छह, हिमाचल प्रदेश तीन, चंड़ीगढ़ में दो और त्रिपुरा में एक सक्रिय मामले हैं।

मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण को कोई मामला सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार देश में कोविड मामलों में मौजूदा उछाल ओमिक्रॉन के नए सब-वेरिएंट जैसे कि जेएन.1, एनबी.1.8.1, एलएफ.7 और एक्सएफसी के कारण है। इनमें संक्रमण की संभावना अधिक है, लेकिन इनमें लक्षण हल्के हैं।

लोकसभा उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करें, मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे लोकसभा के उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे लोकसभा के उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को मेरा पत्र, बिना किसी देरी के लोकसभा के उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने की आवश्यकता पर। पहली

से सोलहवीं लोकसभा तक, हर सदन में एक उपाध्यक्ष रहा है। मोटे तौर पर, मुख्य विपक्षी दल के सदस्यों में से उपाध्यक्ष की नियुक्ति एक सुस्थापित परंपरा रही है। खड़गे ने आगे कहा कि हालांकि, स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार यह पद लगातार दो लोकसभा कार्यकालों के लिए रिक्त रहा है। सत्रहवीं लोकसभा के दौरान कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया था, और यह चिंताजनक मिसाल मौजूदा अठारहवीं लोकसभा में भी जारी है। यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए शुभ संकेत नहीं है और संविधान के सुविचारित प्रावधानों का भी उल्लंघन है। उन्होंने कहा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 93 में लोक सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के चुनाव का प्रावधान है।

संग्रहालय में उत्खनन कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर केंद्रित अलग–अलग कार्यशाला संचालित हो रही हैं। इसी क्रम में पुरातात्विक उत्खनन कार्यशाला का शुभारंभ नौ जून को कार्यशाला प्रशिक्षक डॉ. सुशील कुमार

ने किया। पहले दिन आयोजित कार्यशाला में दो दर्जन स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षक ने बच्चों को पुरातत्व की परिभाषा और उसके इतिहास पर विस्तार से जानकारी दी, साथ ही इतिहास निर्माण में पुरातत्व की महत्ता व पुरास्थलों की पहचान कैसे की जा सकती है। उसको पावर प्वाइंट के माध्यम से समझाया। इस मौके पर डॉ. राजेश मिश्र, डॉ. वामन वानखेड़े, आकाश मिश्र, अंकित द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

कार्यभार ग्रहण न करने वालों की पदोन्नति निरस्त करने की मांग

प्रयागराज। राजकीय शिक्षक संघ पांडेय गुट ने अपर निदेशक राजकीय (माध्यमिक शिक्षा) को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि 28 मार्च को पदस्थापित जिन शिक्षकों ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया है उनकी पदोन्नति निरस्त की जाए। अध्यक्ष रामेश्वर पांडेय

व महामंत्री सत्य शंकर मिश्रा का कहना है कि कार्यभार ग्रहण करने के लिए पहले 30 दिन का समय दिया गया था। अधिकांश शिक्षकों के कार्यभार ग्रहण न करने पर 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया जो नौ मई को समाप्त हो गया। ढाई महीने में भी कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले शिक्षकों का पदोन्नति आदेश निरस्त किया जाए तथा उनके बाद के शिक्षक–शिक्षिकाओं को अधीनस्थ राजपत्रित पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया जल्द शुरू हो।

स्मार्ट सिटी में फुटपाथों पर खुले हैं 'मौत के द्वार'

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 के आयोजन को लेकर शहर में विकास पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए। चौक–चौराहों, नाले–नालियों और सड़कों–गलियों को चकाचक किया गया। अब कुछ माह बाद ही विकास के दावों की परतें खुल रही हैं। जहां कई सड़कें उधड़ रही हैं तो वहीं नालों के चौंबरों से गायब ढक्कन हादसों को दावत दे रहे हैं। यह हाल शहर के पॉश इलाके सिविल लाइंस में भी है। यहां नाले के करीब एक दर्जन ढक्कन टूटे पड़े हैं। कुछ ढक्कन तो गायब हो चुके हैं। नगर निगम कार्यालय के पांच सौ मीटर के दायरे में यह लापरवाही जिम्मेदारों की कार्यशैली पर भी सवाल उठा रही है।

लोगों से इस हालात पर बात की तो उन्होंने जिम्मेदारों को कोसा। कहा जिस क्षेत्र में हमेशा वीआईपी मूवमेंट बना रहता है वहां ऐसी लापरवाही है तो दूर–दराज के इलाकों के हाल का अंदाजा लगाया जा सकता है। बारिश का सीजन आने वाला है। ऐसे में ढक्कन विहीन नाले राहगीरों की जान भी ले सकते हैं। अगर जिम्मेदार इस खतरे से अनजान बने हैं तो समस्या का निदान कैसे होगा। सिविल लाइंस में महात्मा गांधी मार्ग पर पत्थर गिरजाघर के पास सर्विस लेन पर नाले के चौंबरों पर लगे ढक्कन गायब हैं। कई दोपहिया वाहन सवार घायल हो चुके हैं। बच्चों के लिए तो यह बेहद खतरनाक है। जरा सी चूक होने पर बच्चे इसमें समा सकते हैं। खुले चौंबरों को देखकर यहां से गुजरने वाले व्यवस्था को कोसते हैं। यहां पुराने जीजीआईसी भवन के पास भी सर्विस लेन पर कई चौंबरों के ढक्कन नदारद हैं, जो बचे हैं वह भी दम तोड़ते दिख रहे हैं। इस सर्विस लेन से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं। दोपहिया वाहन सवारों और पैदल राहगीरों की खासी तादात होती है। मार्ग के दूसरे तरफ भी कमोवेश यही हालात हैं। यहां भी दो–तीन चौंबर ढक्कन विहीन हादसे को आमंत्रित कर रहे हैं। आसपास के पटरी दुकानदारों का कहना है कि शाम को काफी लोग यहां टहलने के लिए आते हैं, बच्चे भी रहते हैं। ढक्कन विहीन चैंबरों के कारण कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है। बगल में नगर निगम का दफ्तर है। बड़े–बड़े अधिकारियों के अलावा

महापौर भी बैठते हैं, लेकिन इस गंभीर समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं। बेहद खतरनाक है चौराहे पर बना गड्ढा कॉफी हाउस से पत्थर गिरजाघर जाने वाले मार्ग पर बीच चौराहे पर बेहद खतरनाक गड्ढा है। चौराहे के बीच बने चौंबर के पास इस गड्ढे के कारण कई लोग इसमें फंस कर गिर चुके हैं। अचानक गड्ढा देखकर वाहन चालक भी संतुलन खो बैठते हैं जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। कुछ दिन पूर्व आसपास के पटरी दुकानदारों ने मिट्टी आदि डाल कर गड्ढे को पाटने की कोशिश की, लेकिन गड्ढा बना हुआ है। इसी प्रकार पैलेस थियेटर के पास भी बीच सड़क पर बना गड्ढा लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इन खतरनाक गड्ढों को पाट कर मार्ग को दुरुस्त न किया गया तो बारिश में यह बड़ी समस्या पैदा कर सकते हैं। शिकायतें – नाले पर बने चौंबरों के ढक्कन टूट गए हैं, कई के ढक्कन गायब हैं। – चौराहे पर चौंबर के पास बड़ा गड्ढा बन गया है जो खतरनाक है। – खुले चौंबरों में कूड़ा भरा हुआ है, जिससे बारिश में पानी नहीं निकल सकेगा। – नगर निगम के जिम्मेदार भी उदासीन बने हुए हैं। कोई संकेतक भी नहीं लगाए। सुझाव – बारिश से पहले खुले चौंबरों और मैनहोल के ढक्कन लगाए जाएं। – सड़कों पर बने खतरनाक गड्ढे को दुरुस्त किया जाए। – चौम्बरों की सफाई कराई जाए, ताकि बारिश में पानी निकासी प्रभावित न हो। – ढक्कन लगने तक खुले चौंबरों के आसपास संकेतक लगा घेरा बनाया जाए। हमारी भी सुनें नालों के चौंबरों के ढक्कन गायब हैं, जिससे कभी भी कोई हादसा हो सकता है। बगल में नगर निगम का दफ्तर है, रोज अधिकारी बैठते हैं, लेकिन किसी को आम लोगों की समस्या से कोई लेना देना नहीं है। – आशीष मिश्र सिविल लाइंस जैसे वीआईपी इलाके में जब यह हाल है तो बाकी की जगहों के प्रति जिम्मेदार कितने गंभीर होंगे इसे समझा जा सकता है। अधिकारी संवदेनशील हों तो समस्या का तत्काल समाधान हो जाए। – राजेश आए दिन कोई न कोई यहां चौंबरों में फंसकर गिरता रहता है। कई लोगों को चोट लग चुकी है। ढक्कन की जगह खतरनाक तरीके से एंगल निकले हैं जिनसे कभी भी कोई चोटिल हो सकता है। प्रशासन को इस पर ध्यान देना होगा। – रोहित लाल यहां से बहुत लोग गुजरते हैं, जिनमें महिलाएं–बच्चे भी होते हैं। नाले के चौंबरों के ढक्कन न होने से कोई भी उसमें गिरकर घायल हो सकता है। जिम्मेदार इस पर ध्यान दें, यह गंभीर समस्या है जिसका निदान होना जरूरी है। – देवेन्द्र लोग बड़ी गाड़ियों से बचने के लिए सर्विस लेन का प्रयोग करते हैं। सर्विस लेन पर नाले के चौंबरों के ढक्कन न होने से कभी भी कोई घटना हो सकती है। इस गंभीर समस्या का समाधान होना चाहिए। – आरके शुक्ला पत्थर गिरजाघर के आगे बीच चौराहे पर पर बड़ा खतरनाक गड्ढा है जिसमें फंस कर आए दिन दोपहिया वाहन सवार गिरते रहते हैं। इसके कारण कभी भी कोई बड़ी घटना हो सकती है, समस्या का समाधान होना जरूरी है। – राजकुमार वर्मा प्रयागराज स्मार्ट सिटी बन गया है तो व्यवस्थाएं भी उसके अनुसार होनी चाहिए। कहीं चौराहे और सड़क पर गड्ढे हैं तो कहीं चौंबरों के ढक्कन ही गायब हैं। आखिर यह कैसी स्मार्ट सिटी है, जिम्मेदार क्या कर रहे हैं। – संजय मिश्र नाले के चौंबर टूटे पड़े हैं, कई जगह तो ढक्कन ही नहीं है। इनमें गिरकर लोग घायल भी हो रहे हैं। समस्या गंभीर है, लेकिन जिम्मेदार इसे नजरअंदाज कर रहे हैं। बारिश से पहले इसका समाधान होना चाहिए। – दिलीप दुबे बगल में नगर निगम का कार्यालय है, जहां निगम के जिम्मेदार अधिकारी बैठते हैं, बगल में इतनी बड़ी समस्या है, लेकिन किसी को इसकी खबर नहीं है तो समस्या का समाधान कैसे होगा। यह तो घोर लापरवाही है। – राजू कनौजिया सर्विस लेन के पास खुले चौंबरों के कारण कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है। लोग शाम को यहां टहलने निकलते हैं, उनके साथ बच्चे भी होते हैं। खुले चौंबर हादसे का कारण बन सकते हैं। नगर निगम के जिम्मेदार कब जागेंगे। – मो. अकबर यह वीआईपी इलाका है, अगर यहां यह हाल है तो शहर के बाकी हिस्सों में क्या दशा होगी। सर्विस लेन ही नहीं कई जगह सीवर के ढक्कन भी टूट गए हैं। इनकी निगरानी करने वाला कोई नहीं है। – आरके श्रीवास्तव सर्विस लेन पर बने चौंबरों के ढक्कन न होना बड़ी गंभीर बात है। इससे किसी भी दिन कोई बड़ी घटना हो सकती है। बरसात आने वाली है, समस्या और बढ़ जाएगी। समय रहते समस्या का समाधान होना चाहिए। –महेश प्रयागराज स्मार्ट सिटी है और सिविल लाइंस शहर का सबसे पॉश इलाका है। यहां चौराहे पर गड्ढा हो और चौम्बरों के ढक्कन गायब हों यह गंभीर बात है। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देकर इसका समाधान कराना चाहिए। – विनोद कुमार बोले जिम्मेदार पहले यहां लोहे के ढक्कन लगे थे, जिन्हें लोग उखाड़ ले गए। उसके बाद सीमेंट के ढक्कन लगाए गए, लेकिन तोड़ दिया गया। तीन बार यहां ढक्कन लगाए जा चुके हैं। इस समस्या के निदान का प्रयास किया जा रहा है। ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि लोग चौंबरों के ढक्कन न निकाल सकें। नए ढक्कन लगाकर समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। – अनिल मौर्य, मुख्य अभियंता, नगर निगम, प्रयागराज

इविवि: स्नातक में दाखिले को पंजीकरण इसी माह से

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में स्नातक (यूजी) और इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (आईपीएस) के कोर्सों में दाखिले के लिए तैयारी शुरू हो गई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटी इंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के जरिए होने वाले पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इविवि में जून के तीसरे सप्ताह से ऑनलाइन पंजीकरण शुरू करने की तैयारी है। पिछले वर्ष पंजीकरण कराने के बाद भी सीयूईटी से डाटा मिलने में देरी से प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हुई थी। इविवि में बीए, बीएससी, बीकाम, बीएलएलबी, पांच वर्षीय आपदा प्रबंधन एवं पर्यावरण अध्ययन, बीएससी–एमएससी परिवार एवं समुदाय विज्ञान, बीबीए–एमबीए और पांच वर्षीय बीसीए–एमसीए डेटा साइंस, बीसीए, बीवोक, बीपीए और बीएफए सहित 17 पाठ्यक्रमों में सीयूईटी के स्कोर पर प्रवेश होगा। इसमें इस सत्र से शुरू होने जा रहे पांच वर्षीय योग एवं पोषण पाठ्यक्रम भी शामिल है।

आखिरी बड़े मंगल पर उमड़ी आस्था

प्रयागराज। ज्येष्ठ मास का अंतिम और पांचवां बड़ा मंगल आस्था और उल्लास भाव के साथ मनाया जाने लगा है। बंधवा स्थित बड़े हनुमान जी मंदिर में महंत बलबीर गिरि ने विधि विधान के साथ भोर में हनुमानजी की मंगलाआरती की, उस दौरान परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने शंखनाद के बीच जयकारे लगाए। कपाट खुलते ही हनुमान जी का दर्शन और पूजन–अर्चन के लिए भक्तों की कतार लग गई। मनोकामना पूरी होने पर दूरदराज के क्षेत्रों से भी निशान चढ़ाने वालों की भीड़ रही। सिविल लाइंस स्थित हनुमत निकेतन व दारागंज के संकटमोचन हनुमान मंदिर में भी मंगलाआरती के बाद जयकारों के बीच दर्शन के लिए भक्तों की कतार लगी रही।

जिले के 98.51 प्रतिशत स्कूलों को मिली मूलभूत सुविधाएं

प्रयागराज। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत परिषदीय विद्यालयों में 19 पैरामीटर्स पर मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं से संतृप्त किया जा रहा है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा के दो जून के पत्र के अनुसार इस अभियान में जिले के 98.51 प्रतिशत स्कूलों को मूलभूत सुविधाएं मिली हैं। परिषदीय विद्यालयों में दिव्यांग शौचालय (90.66:), कक्षा–कक्षों का टाइलीकरण (96.90:) तथा चहारदीवारी (96.68:) का संतृप्तीकरण 19 पैरामीटर्स में से सबसे न्यून है। इसके अलावा अन्य पैरामीटर्स पर भी विद्यालयों में सुविधाओं का या तो अभाव है या फिर अवस्थापना सुविधाएं कुछ कारणों से अक्रियाशील हो गयी है, जिससे शत–प्रतिशत संतृप्तीकरण के लक्ष्य की पूर्ति नहीं हो पा रही है। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने सभी खंड शिक्षाधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्धारित 19 पैरामीटर्स के सापेक्ष असंतृप्त अवस्थापना सुविधाओं के गैप्स को चिन्हांकित कराते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनसे संतृप्त कराना सुनिश्चित करें।

अब इसी माह मिलेगा एकेडेमी को अध्यक्ष

प्रयागराज। हिन्दुस्तानी एकेडेमी में तीन वर्षों से अधिक समय से रिक्त चल रहे अध्यक्ष की नियुक्ति के आसार बढ़ गए हैं। 22 मई 2022 को डॉ. उदय प्रताप सिंह का तीन वर्ष कार्यकाल समाप्त हो चुका था, लेकिन उसके बाद से नए अध्यक्ष की नियुक्ति अधर में लटकी हुई थी। अपर मुख्य सचिव भाषा जितेंद्र कुमार की ओर से एकेडेमी में सचिव और कोषाध्यक्ष के पद पर नौ जून को नियुक्ति किए जाने के बाद एकेडेमी के कर्मचारियों के बीच इस बात की चर्चा जोरों पर है कि अब कभी भी अध्यक्ष के नाम की घोषणा लखनऊ से की जा सकती है।

यूपी के पहले फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में ढाई महीने रहेगा सन्नाटा, जानें वजह

प्रयागराज। महाकुंभ से पहले यमुना के किनारे खुला यूपी का पहला फ्लोटिंग रेस्टोरेंट देखते ही देखते प्रयागराज के बेस्ट

डेस्टिनेशन में शुमार होने लगा। इस रेस्टोरेंट में करीब ढाई महीने के लिए सन्नाटा होने वाला है। मॉनसून के दौरान अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। पर्यटन निगम मुख्यालय ने एहतियातन यह निर्णय लिया है कि आगामी 15 जुलाई से इसका संचालन स्थगित रहेगा। यह रेस्टोरेंट सितंबर के अंत तक बंद रहेगा, जिसके बाद दोबारा खोलने पर सितंबर के आखिरी तक निर्णय लिया जाएगा। इसकी वजह यही है कि प्रयागराज में मध्य अक्तूबर तक गंगा और यमुना उफान पर रहती हैं। करीब एक वर्ष पहले फ्लोटिंग रेस्टोरेंट यमुना बैंक रोड स्थित बोट क्लब पर बना, जो प्रयागराज के पर्यटन नक्शे पर एक नई पहचान बन गया है। ऐसा रेस्टोरेंट उत्तर प्रदेश में कहीं भी नहीं है। इस रेस्टोरेंट में परिवार और युवा वर्ग खासतौर पर शाम के समय खाना खाने और नाव की सवारी के लिए बड़ी संख्या में पहुंचते थे।

45 सीटों वाले रेस्टोरेंट में रसगुल्ला, गुलाब जामुन, वेज बिरयानी, मूंग दाल हलवा और फ्रेंच फ्राई सहित कई प्रकार के व्यंजन पर्यटकों को उपलब्ध कराए जाते हैं। लेकिन अब जुलाई से यहां सन्नाटा रहेगा। क्योंकि जून के अंतिम सप्ताह से पूरे देश में मानसून सक्रिय हो जाएगा। उत्तर भारत की गंगा और यमुना सहित कई प्रमुख नदियां बाढ़ के पानी की वजह से उफान पर रहेंगी।

जून के अंतिम सप्ताह से निगम की वेबसाइट से पर्यटकों की बुकिंग को भी बंद किया जाएगा। टूरिस्ट बंगलो के मुख्य व्यवस्थापक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मानसून के आगामी मौसम को देखते हुए पंद्रह जुलाई से रेस्टोरेंट को संचालित करने वाली कंपनी को इसे बंद करने का निर्देश दिया गया है। करीब ढाई महीने के बाद बोट क्लब पर बाढ़ की स्थिति को देखकर दोबारा इसे संचालित करने पर निर्णय लिया जाएगा।

बीएड की प्रवेश परीक्षा में ग्रुप से पूछे जाएंगे 50 सवाल

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में मंगलवार को द्वितीय पाली में बीएड की प्रवेश परीक्षा होगी। परीक्षा में 100 प्रश्न जीएस, करंट अफेयर्स, रीजनिंग, समान्य हिन्दी और अंग्रेजी से पूछे जाएंगे। 50 प्रश्न (कॉमर्स, कला और विज्ञान) से जुड़े होंगे। सभी प्रश्न दो–दो अंक के होंगे। पीजीएटी–1 में 50 प्रश्न जीएस से और 100 प्रश्न संबंधित विषय से पूछे जाएंगे। आईपीएस और पीजीएटी–1 की परीक्षा बुधवार को भी होगी। 12 व 13 जून को पीजीएटी–1 के तहत एलएलबी, एलएलएम और एमकाम पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए परीक्षा प्रस्तावित है।

जिले के अंदर 222 शिक्षकों का पारस्परिक तबादला

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों की जिले के अंदर तबादला सूची सोमवार को जारी हो गई। कुल 4636 जोड़ों या कुल 9,272 शिक्षकों का स्थानान्तरण हुआ है। प्रयागराज में कुल 222 शिक्षकों का तबादला हुआ है। वैसे तो अधिकांश प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने पारस्परिक तबादला लिया है लेकिन कुछ प्राथमिक के प्रधानाध्यापक और उच्च प्राथमिक के सहायक अध्यापकों ने भी तबादला दिया है। प्राथमिक विद्यालय संग्रामपट्टी सैदाबाद के प्रधानाध्यापक संजय कुमार दुबे का प्राथमिक विद्यालय सैदाबाद के श्रीकृष्ण नारायण से पारस्परिक तबादला हुआ है। कंपोजिट स्कूल चिरला मुंजफ्ता कौंधियारा के सहायक अध्यापक भूपेन्द्र प्रताप सिंह का उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर मांडा के आर्यन सिंह के साथ ट्रांसफर हुआ है। प्राथमिक विद्यालय चकमदा हंडिया की प्रधानाध्यापिका दीपाली का कंपोजिट विद्यालय चौकी उरुवा की शालिनी, उच्च प्राथमिक विद्यालय घूरपुर चाका की सहायक अध्यापिका कृष्णा गुप्ता का उच्च प्राथमिक विद्यालय चाका की विजय लक्ष्मी, कंपोजिट विद्यालय पूरे घीसा सैदाबाद की सहायक अध्यापिका अमिता गुप्ता का कंपोजिट स्कूल निवैया उरुवा के अमित कुमार शुक्ला, कंपोजिट विद्यालय भगवतपुर कौंधियारा की सुनीता तिवारी का उच्च प्राथमिक विद्यालय भीटी कौंधियारा की रीना चौटर्जी, कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेड़ियारी कोरांव के प्रमोद कुमार मिश्र का कंपोजिट स्कूल छतहरा के देव शरण पांडेय, कंपोजिट स्कूल चिरला मुंजफ्ता कौंधियारा के सहायक अध्यापक बद्री प्रसाद सिंह का कंपोजिट स्कूल जनका कौंधियारा के अवनीश सिंह, प्राथमिक विद्यालय मंडवा प्रतापपुर के प्रधानाध्यापक देवेन्द्र कुमार मिश्रा का कंपोजिट डीहीखुर्द मेजा के बटुक नाथ, उच्च प्राथमिक विद्यालय महुआरीकला मांडा की प्रीतिका पांडेय का उच्च प्राथमिक विद्यालय उनती मांडा के अनिल कुमार गुप्ता जबकि प्राथमिक विद्यालय नूरपुर बहरिया के आरिफ हुसैन का प्राथमिक विद्यालय गारापुर की सीता देवी के साथ पारस्परिक स्थानान्तरण हुआ है। 29 मई से छह जून तक शिक्षकों को ओटीपी के माध्यम से जोड़ा बनाने का अवसर दिया गया था।

अतीक अहमद की अवैध संपत्तियों पर भूमाफियाओं की नजर, कुर्की के आदेश के बावजूद प्लाटिंग करने की कोशिश

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद की मौत के बाद अब उसकी विवादित संपत्तियों पर भूमाफियाओं की नजर लगी हुई है। कटहुला गौसपुर में करोड़ों की अवैध संपत्ति न्यायालय के आदेश पर राज्य सरकार के अधीन जा चुकी है। इसके बावजूद जमीन पर लगे कुर्की आदेश बोर्ड को हटाकर रविवार को अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। मामला पकड़ में आया तो रहिमापुर चौकी इंचार्ज की तहरीर पर एयरपोर्ट थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

माफिया अतीक अहमद ने अवैध कृत्यों से अर्जित धन से मानपुर थाना लालापुर निवासी हुबलाल के नाम पर कटहुला गौसपुर में करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन खरीदी थी। धूमनगंज थाने में साल 2020 में गैंगस्टर एक्ट बनाम अतीक अहमद व अन्य पर जमीन की कुर्की की कार्रवाई की गई थी। पुलिस आयुक्त ने न्यायालय के आदेश पर मौजा कटहुला गौसपुर में कुल 16 अलग–अलग आराजी नंबर के भूखंडों पर कुर्की का आदेश बोर्ड भी लगाया था। न्यायालय के आदेश पर जमीन की कुर्की की कार्रवाई पूरी कर राज्य सरकार के अधीन चली गई थी। लेकिन रविवार को जब कटहुला गौसपुर में कुर्क जमीन एक भूखंड पर प्लाटिंग का मामला सामने आया तो पुलिस प्रशासन चौकन्ना हो गया। बता दें कि दो साल पहले अतीक और उसके भाई अशरफ की मौत के बाद अब उसकी विवादित संपत्तियों पर भूमाफिया की नजर है। लगभग डेढ़ साल पहले हाईकोर्ट के समीप भी अतीक की विवादित जमीन को कब्जा करने का मामला सामने आया था। सिविल लाइंस थाने में इस मामले में मुकदमा भी दर्ज हुआ था। इसके अलावा कई अन्य विवादित जमीनों पर बीच–बीच में अवैध कब्जा व प्लाटिंग के मामले सामने आते रहे हैं। इस मामले में डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि कटहुला गौसपुर की जमीन की कुर्की हो चुकी है। इसके एक आराजी नंबर पर कुछ लोग अवैध प्लाटिंग करने की कोशिश कर रहे थे। अतीक अहमद की विवादित जमीनों पर पुलिस, राजस्व विभाग, नगर निगम व पीडीए की संयुक्त टीम नजर रखे हुए है।

शिवकुटी के 500 से अधिक घरों में दूषित जलापूर्ति

प्रयागराज। शिवकुटी के 500 से अधिक घरों में दूषित जलापूर्ति की समस्या बनी हुई है। तीन दिन पहले शुरू हुई समस्या सोमवार रात तक बनी रही। समस्या का समाधान नहीं होने पर पीड़ित परिवार पीने का पानी खरीदने को मजबूरव हो गए। पीड़ित लोगों ने दूषित जलापूर्ति की शिकायत जलकल विभाग के इंजीनियरों से की।

समापन समारोह आयोजित

मुजफ्फरनगर। पी एम श्री राजकीय इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर के ग्रीष्मकालीन कैंप के बीसवें दिवस दिनांक 10.06.2025 को

शिविर का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट श्री नितिन कुमार जी एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मुजफ्फरनगर के उप प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार त्यागी जी ने अपने कर – कमलों से मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया। श्रीमती पूनम रानी के सहयोग से विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना,स्वागत गीत, व अन्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। श्रीमती गीता रानी, श्रीमती पूनम और विद्यालय के पूर्व छात्र अजय कुमार ने बहुत ही सुन्दर गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों का प्रधानाचार्य जी ने आभार व्यक्त किया और छात्रों को पाठयक्रम से इतर गतिविधियों में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर श्रीमती ममता रानी,श्री ब्रह्मप्रकाश , श्री अनिल कुमार, श्री रजित, श्री राकेश कुमार, श्री राकेश मालिक, श्रीमती सीमा,श्री आदर्श सिंघल,श्री भूपेंद्र सिंह आर्य , श्रीमती प्रकाशी,श्री धीरसिंह, श्री अमित, श्री संजय उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने सुनीं लोगों की समस्याएं, किया निस्तारण

मथुरा। जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी लगातार जनता की समस्याओं के निस्तारण हेतु अपने निज निवास आनंद धाम कॉलौनी पर रोजाना जनता दर्शन लगाते चले आ रहे हैं। जनता दर्शन में दर्जनों फरियादी जिला पंचायत अध्यक्ष के यहां आकर अपनी समस्याओं को बताया तथा उनका साफा बांधकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष

जनता की समस्याओं से रूबरू होकर संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी से फोन पर वार्ता करके जनता की समस्याओं को सुनकर उनको निर्देशित कर शीघ्र समस्या निस्तारण के लिए निर्देशित किया। जनता दरबार में समस्याओं को सुनकर तत्काल निस्तारण हेतु प्रयास किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया जनता दर्शन लगाया गया। इस बीच जो समस्याएं आई उनका निराकरण कराया गया। मैं स्वयं ग्राम पंचायतों में पहुंचकर वहां के विकास कार्य की समीक्षा करता हूं। जो कार्य रह गए हैं,उन्हें समय सीमा में पूरे कराने पर जोर दिया जा रहा है। आज भी ग्रामीण ईंट खरंजा, सीसी सड़क, शिक्षा सहित अन्य समस्याओं को लेकर यहां पहुंचे है उनकी समस्याओं का निस्तारण का प्रयास किया गया है।

ज्येष्ठ माह में 20 लाख श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के परिवर्तन चौक पर स्थित भंडारा इस बार भी आस्था और सेवा का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है। ज्येष्ठ माह के आखिरी यानी पांचवें बड़े मंगल को यहां खास आयोजन हुआ। 56 प्रकार के व्यंजनों से हनुमान जी को भोग लगाकर हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। यह आयोजन भारत समन्वय संस्था द्वारा लगातार 12वें वर्ष आयोजित किया गया। भारत समन्वय के मुख्य संयोजक मुकेश शुक्ला ने बताया कि यह यात्रा आज से 12 वर्ष पहले 25 लोगों के सेवा संकल्प से शुरू हुई थी। हमने संकल्प लिया था कि जेष्ठ माह में अलग–अलग जगह भंडारा लगाने के बजाय एक ही स्थान पर निरंतर सेवा की जाए जिससे व्यवस्था भी बनी रहे और श्रद्धालुओं को संपूर्ण लाभ मिल सके। संस्था के प्रतिनिधि अनुराग मिश्रा ने बताया, जेष्ठ माह में प्रत्येक दिन भंडारा होता है। चाहे बड़ा मंगल हो या साधारण दिन, हर दिन प्रसाद वितरित किया जाता है। अनुमानतः हर दिन 20 से 25 हजार भक्त प्रसाद ग्रहण करते हैं। पूरे माह में यह संख्या 20 लाख से अधिक तक पहुंच जाती है। पांचवें और अंतिम बड़े मंगल पर यहां विशेष आयोजन हुआ। 56 प्रकार के व्यंजन तैयार कर बजरंगबली को भोग लगाया गया, और फिर उसे भक्तों में वितरित किया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मुख्य परियोजना प्रबन्धक/गतिशक्ति/पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल के टेकनिवास स्टेशन पर फुल रेक हैन्डलिंग साईडिंग के निर्माण का कार्य (ट्रैक एवं सिविल कार्य) **ई-निविदा सूचना संः डीवाईसीई-जीएस-बीएसबी-01-2025, अनुमानित लागत (₹)ः** ₹ 21,07,09,479.49, **अमानत राशि (₹)ः** ₹ 12,03,600.00, **निविदा बन्द होने की तिथिः** 04.07.2025 15.00 बजे तक, **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः** 12 माह। **नोटः** • निविदा सूचना संख्या डीवाईसीई-जीएस-बीएसबी-01-2025 दिनांक 09.06.2025 को दिनांक 04.07.2025 को 15.00 बजे तक, आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा के प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य इन्जी0/गतिशक्ति
मुजाधि/डब्लू-106 वाराणसी

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

जमीन के नाम पर मेजर से 72 लाख की ठगी

लखनऊ, संवाददाता। आशियाना निवासी सेना की मेजर जीजी विजयन ने विश्वजीत सिंह, विजय सिंह, आरती सिंह व अनिल पर उनसे जमीन के नाम पर 72 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी व विश्वासघात की धारा में एफआईआर दर्ज की है। जीजी विजयन के मुताबिक वर्ष 2020 में वह मकान खरीदना चाहती थीं।

नाटक पानी पानी कितना पानी की प्रस्तुति कर बाल प्रतिभाओं ने सबका मन मोह लिया

कलात्मक कार्यशालाएं बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को निखारती हैं और उनको अच्छा कलाकार बनने में मदद करती हैं। मुख्य अतिथि –रवीन्द्र कुशवाहा

प्रयागराज। सर्वस्व लोक कल्याण स्वैच्छिक संस्था और संगम सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 20 दिवसीय प्रस्तुतिपरक बाल कार्यशाला का सोमवार को रंगारंग समापन हुआ। समारोह में बच्चों ने अपनी प्रतिभा से दर्शकों का मन मोह लिया ।कार्यशाला में 32 बच्चों ने प्रतिभाग लिया ।रंगकर्मी सुबोध सिंह और नाट्य निर्देशक तेजेंद्र सिंह तेजू ने कला में रुचि रखने वाले बच्चों को प्रशिक्षित किया। डॉ हेमंत कुमार द्वारा लिखित नाटक पानी पानी कितना पानी की बच्चों ने भावपूर्ण प्रस्तुति की नाटक का विषय समसामयिक समस्या पानी की बर्बादी और अधिक दोहन को लेकर था जिसकी दर्शकों ने सराहना की और समझा भी नाटक में भाग लेने वाले कलाकारों में अनामिका कुशवाहा, पूर्वी कुशवाहा, अभिराज सिंह, कार्तिकेय सिंह, माही सिंह, आराध्या अभिनव, आर्य प्रताप, कार्तिकेय, पूर्वशी, प्रिंस, श्रेयस, अंश सोनी, देवांश और पियूष ने अभिनय किया।

निर्देशन तेजेंद्र सिंह तेजू परिकल्पना सुबोध सिंह, रंग परामर्श अफजल खान, संगीत संयोजन आदित्य सिंह, मंच संचालन कौशिक गौतम, कार्यक्रम संयोजक पंकज गौड़, मंच व्यवस्था पृथ्वीराज शर्मा का आदित्रि ने कथक और लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुविख्यात कवि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा माननीय सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृत विभाग उत्तर प्रदेश, विशिष्ट अतिथि संदीप कुशवाहा व विशिष्ट अतिथि इंदु खुराना रहीं। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को मंच पर बुके देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और कहा कि कलात्मक कार्यशालाएं बच्चों के अंदर छिपे प्रतिभा को निखारती हैं और अच्छा कलाकार बनाने में उनकी मदद करती हैं उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की। संस्था सचिव तेजेंद्र सिंह तेजू ने कहा ब्लू बेल स्कूल प्रांगण में हर वर्ष कार्यशाला आयोजित की जाती है, इसका उद्देश्य शिक्षा के साथ–साथ बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना एवं संस्कारिक बनाना है।

फर्जी लाइसेंस से चल रहा था मेडिकल, 2.55 लाख की दवा सीज

–जांच के दौरान दूसरे का लाइसेंस हेराफेरी करके दिखाया गया

मथुरा। मेसर्स बलदेव मेडिकोज के नाम से बलदेव हॉस्पिटल नौहझील गौमत मैन रोड पर बाजना कस्बा में संचालित हो रहा था। यहां छापा मार कार्रवाई की गई। जिन पर करीब 2.55 लाख रुपये की दवाइयां जब्त की गई। जिनको प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा जाएगा।

औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने इस मेडिकल स्टोर की जांच की। जांच के समय बाजना के मेडिकल स्टोर पर गुलवीर सिंह पुत्र चन्द्रपाल सिंह उपस्थित थे। जिससे मेडिकल स्टोर संचालन एवं भण्डार के लिए आवश्यक लाइसेंस मांगे जाने पर गुलवीर सिंह द्वारा किसी अन्य प्रतिष्ठान का गलत लाइसेंस प्रस्तुत किया गया। जिसमें प्रतिष्ठान का पता के साथ कूट रचित कर स्थान परिवर्तन किया गया था। ऑनलाइन पोर्टल पर परीक्षण करने पर गुलवीर सिंह द्वारा प्रस्तुत लाइसेंस गलत पाया गया। कूट रचित लाइसेंस की प्रति के अतिरिक्त फर्म संचालक द्वारा अन्य कोई लाइसेन्स प्रस्तुत नहीं किया गया। निरीक्षण के समय कार्यवाही शुरुआत होते ही मौका लगते ही पुलिस बल के सामने फर्म संचालक गुलवीर सिंह पुत्र चन्द्रपाल सिंह के मौके से फरार हो गया। जिसके बाद

उपस्थित स्टाफ के सामने दुकान में भंडारित दवाओं को नियमानुसार फॉर्म 16 पर अंकित करते हुए सीज किया गया कार्यवाही के दौरान ही औषधि निरीक्षक आगरा कपिल शर्मा कार्यवाही में सहयोग के लिए उपस्थित हुए। बिना वैध लाइसेंस के संचालित इस मेडिकल स्टोर से लगभग 2.55 लाख रुपये मूल्य की एलोपैथिक औषधियां सीज की गई तथा बरामदगी के आधार पर थाना नौहझील पर धारा 22(1) (सी), 18(सी)/27, 18(ए) 28 औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 व बीएनएस 2023 की धारा 318 (4), 338, 336 (3), 340 (2) पंजीकृत किया गया। अभियुक्त बादस्तूर फरार है जिनकी गिरफ्तारी के सार्थक प्रयास किये जा रहे है।

पुलिस की मौजूदगी में भाग गया संचालक

निरीक्षण के समय कार्यवाही शुरुआत होते ही मौका लगने पर पुलिस बल के सामने फर्म संचालक गुलवीर सिंह पुत्र चन्द्रपाल सिंह के मौके से फरार हो गया। पुलिस की मौजूदगी में स्टोर संचालक का इस तरह से मौके से भाग निकला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। इस दौरान प्रेम पाठक औषधि निरीक्षक कार्यालय खाद्य सुरक्षा एवं प्रशासन विभाग कलेक्ट्रेट, कपिल शर्मा औषधि निरीक्षक कार्यालय खाद्य सुरक्षा एवं प्रशासन विभाग कलेक्ट्रेट, थानाध्यक्ष सोनू कुमार थाना नौहझील, एसआई यशपाल सिंह थाना नौहझील मौजूद थे।

वर्जन

कार्यवाही के दौरान मेडिकल पर मिली दवाओं को सीज किया गया है। विवेचना पूर्ण होने के पश्चात दोषियों के विरुद्ध सक्षम न्यायालय में परिवाद दाखिल किया जाएगा।

–प्रेम पाठक, ड्रग इंस्पेक्टर

पूरा प्रदेश तपिश–उमस की चपेट में, इन जिलों में पारा 45 डिग्री के पार

दिन के साथ रातें भी होंगी गर्म

लखनऊ, संवाददाता। पूरा यूपी तपिश की चपेट में है। प्रदेश में पूरब से लेकर पश्चिम तक भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। सोमवार को बुंदेलखंड, आगरा मंडल और दिल्ली एनसीआर के जिले प्रचंड गर्मी के साथ लू की चपेट में रहे। झांसी और आगरा में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए यूपी के आगरा, झांसी, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर में भीषण गर्मी के साथ लू चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं दक्षिणी व पश्चिमी यूपी के लगभग 14 जिलों में रातें सामान्य से ज्यादा गर्म रहेंगी और वार्म नाईट का प्रकोप रहेगा। इसके साथ ही पश्चिमी यूपी और एनसीआर के लगभग 25 जिलों के लिए लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के लगभग 22 जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। आज भी कई जिलों में तापमान 40 के पार रहने का अनुमान जताया जा रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि मंगलवार से अगले एक दो दिन बुंदेलखंड और आगरा क्षेत्र के कई जिलों में दिन में लू चलने के साथ–साथ रातें भी सामान्य से ज्यादा गर्म रहेंगी और वार्म नाइट का प्रकोप रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 11 जून के बाद बंगाल की खाड़ी से उठे नमी के असर से प्रदेश के पूर्वांचल व अन्य हिस्सों में बूंदाबांदी का दौर दोबारा देखने को मिलेगा।

उमस ने हाल किया बेहाल, अभी और चढ़ेगा पारा

राजधानी में सोमवार को लगातार दूसरे दिन गर्मी और उमस ने लोगों को बेचैन किया। धूप की तल्खी इतनी ज्यादा थी कि दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। मौसम विभाग का कहना है कि मंगलवार को लखनऊ के तापमान में अभी और बढ़ोतरी के आसार हैं। पारा 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास जा सकता है। सोमवार को अधिकतम तापमान में तो मामूली बढ़त रही लेकिन पूर्वा हवाओं की वजह से हवा की नमी ज्यादा थी। नतीजा, भीषण उमस ने हालत खराब कर दिया। कूलर भी लोगों को राहत पहुंचाने में नाकाम साबित हुए। धूप हो या छांव, कहीं भी चौन नहीं मिला। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बंगाल से उठी नमी और अरब सागर की नमी के आपसी समागम से 11 जून से मौसम में बदलाव हो सकता है। 11 व 12 जून के बीच बादलों की आवाजाही के साथ छिटपुट बूंदाबांदी के आसार हैं। सोमवार को लखनऊ में दिन का अधिकतम तापमान 0.6 डिग्री की बढ़त के साथ 42 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 1.4 डिग्री बढ़त के साथ 29.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

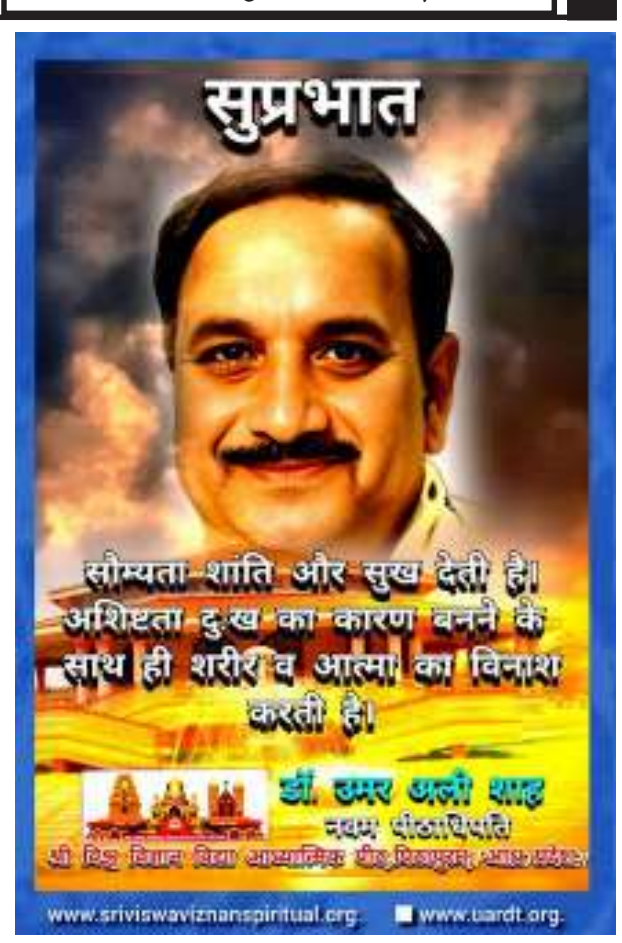

मोहक सुन्दर आम

(कुण्डलिया)

शेरशाह ने था दिया, जिसको चौसा नाम।
मीठा और लज़ीज़ है,मोहक सुन्दर आम।
मोहक सुन्दर आम, युद्ध का बन यह साक्षी।
मुगल हुमायूँ हार, जीत सूरी की देखी।
सुन लो कहें प्रदीप, कथा इतिहासी बनके।
कहता आज समाज, बताया शेरशाह ने।।

कच्चा हो या हो पका,नहीं पूछिए दाम।
मन को भाता है बहुत, मीठा चौसा आम।
मीठा चौसा आम, स्वाद है चोखा चोखा।
खाते लाला राम, बताते बड़ा अनोखा।
सुन लो कहे प्रदीप, यक़ीनन हर इक बच्चा।
खाकर चौसा आम,बताता पक्का कच्चा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आप सांसद ने यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं पर उठाए सवाल, बोले– वेंटिलेटर न होने से हर महीने हो रही बच्चों की मौत

लखनऊ, संवाददाता। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने बदायूं के महिला अस्पताल का जिक्र करते हुए कहा कि यहां पर सीपैक वेंटिलेटर न होने से हर महीने 25 से 30 बच्चों की मौत हो रही है। ये संवेदनहीनता की परकाष्ठा है। मीडिया खबरों के मुताबिक यहां पर सीपैक का वेंटिलेटर लाया गया पर इसे चलाने के लिए स्टाफ को प्रशिक्षण नहीं दिया गया

और बच्चों की मौत होती रही। यह शर्मनाक है कि अस्पताल के स्टाफ को इतने समय में ट्रेनिंग तक नहीं दी जा सकी। यह आपराधिक लापरवाही है। जो भी जिम्मेदार हैं सरकार को उन पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना में घोटाला हो रहा है। मामले में हजरतगंज में मुकदमा दर्ज किया गया है। 6239 मरीजों के नाम पर 39 अस्पतालों को 10 करोड़ का भुगतान कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर के अस्पताल में एक्सरे फिल्म पर न देकर कागज पर दिया जा रहा है। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं का ये हाल है। संजय सिंह ने बीबीसी की एक रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि कुंभ में 82 लोगों की मौत हो गई लेकिन सरकार ने मृतकों के आंकड़े छिपाए हैं। सरकार ने जानबूझकर भगदड़ में मृतकों की कम संख्या दिखाई।

हिल स्टेशन की सैर पर 'वेटिंग' की मार, लखनऊ से उत्तराखंड–हिमाचल जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ीं

लखनऊ, संवाददाता। ट्रेनों की लंबी वेटिंग से गर्मी की छुट्टियों का मजा किरकिरा हो रहा है। उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू जाकर पर्वतों की सैर की योजना पर पानी फिर रहा है। वेटिंग का आंकड़ा 146 तक पहुंच गया है। वहीं विमानों का किराया भी महंगा होने लगा हैं। स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं। ऐसे में अभिभावकों ने बच्चों संग हिल स्टेशनों की सैर की योजना बनाई, लेकिन ट्रेनों में वेटिंग के चलते उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। लखनऊ से देहरादून जाने वाली कुंभ एक्सप्रेस की स्लीपर में मंगलवार, बुधवार व बृहस्पतिवार को सीटें फुल हैं। थर्ड एसी में क्रमशः 24, 35, 30 वेटिंग चल रही है।

वाराणसी देहरादून एक्सप्रेस की स्लीपर में रिग्रेट चल रहा है तथा थर्ड एसी में सोमवार को 25 वेटिंग व उसके आगे सीटें फुल हैं। वहीं वंदेभारत एक्सप्रेस की चेयरकार में मंगलवार, बुधवार व बृहस्पतिवार को 86, 118, 82 वेटिंग चल रही है। लखनऊ से काठगोदाम जाने वाली जंक्शन काठगोदाम एक्सप्रेस की स्लीपर में बुधवार को 146 एवं थर्ड एसी में 86 वेटिंग है। बाघ एक्सप्रेस की स्लीपर फुल है तथा थर्ड एसी में अगले तीन दिन 39, 43, 45 वेटिंग है।

146 तक पहुंची वेटिंग, विमानों का किराया भी महंगा

स्लीपर फुल, एसी में वेटिंग

हिमाचल प्रदेश जाने के लिए लखनऊ से पठानकोट जाने वाली अमरनाथ एक्सप्रेस की स्लीपर में 99, थर्ड एसी में 31 वेटिंग है। बेगमपुरा की स्लीपर फुल है, थर्ड एसी में भी सीटें नहीं हैं।

सम्पादकीय.....

गरीबी में कमी

विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022–23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011–12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि कही जा सकती है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध–शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। इसमें दो राय नहीं कि वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों से देश में आर्थिक असमानता को बढ़ावा मिला है। वहीं तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने एक छोटे वर्ग को असंगत रूप से लाभान्वित किया है। निश्चित रूप से नई आर्थिक नीतियों की विसंगतियों से उपजे असमान परिदृश्य में लाखों लोग गरीबी की रेखा से ऊपर तो उठ गए,लेकिन वे बीमारी, नौकरी छूटने या जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं जैसे संकटों के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं। आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक रूप से हाशिये पर रहने वाली आबादी के बड़े हिस्से के लिये यह खतरा बना हुआ है। एक मजबूत सुरक्षा कवच का अभाव इस संकट की संवेदनशीलता को बढ़ा देता है। भारत के विकास की गाथा तभी लिखी जा सकती है, जब हम इस असमानता की खाई को पाटकर गरीबी को कम करने की दिशा में आगे बढ़ें। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान,समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। निर्धन आबादी के लिये जनकल्याण की योजनाएं जरूर चलायी जानी चाहिए, लेकिन एक वक्त के बाद सरकारी सहायता पर उनकी निर्भरता को कम करना भी उतना ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, शिक्षा के प्रसार से इस वर्ग की उत्पादकता बढ़ाने की भी कोशिश की जानी चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

युद्धों से यारी के निहितार्थ ?

अरुण कुमार त्रिपाठी

युद्ध में जीत की लालसा, राष्ट्रीय संप्रभुता का अहंकार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की चाहत हमें उस मुकाम तक ले आयी है, जहां हम जीत के लिए परमाणु बम की धमकी तक देने तैयार हैं और हार को झूठ के गुब्बारों से सजाकर जीत दिखाना चाहते हैं।

चार दिन चले आपरेशन सिंदूर का वैसे तो युद्धविराम हो चुका है, लेकिन उसका शांतिपर्व नहीं आया है। जिस तरह से दोनों ओर से युद्ध जीतने के दावे किए जा रहे हैं उससे तो नहीं लगता कि यह जल्दी आने वाला है, पर सवाल है कि पत्रकार, राजनेता, अधिकारी और पूरे समाज पर युद्धोन्माद का आख्यान आखिर इस तरह हावी क्यों है? जबकि पूर्व थलसेनाध्यक्ष जनरल नरवाणे कह चुके हैं कि युद्ध बालीवुड की फिल्म नहीं है, उसे आखिरी विकल्प के तौर पर ही रखना चाहिए। युद्ध का मौजूदा आख्यान पड़ौसी देश के विरुद्ध ही नहीं है, बल्कि उन नागरिकों, दलों और राजनेताओं के प्रति भी है जो सत्तापक्ष और सरकार से सवाल करते हैं। अगर कोई राजनेता या सैनिक अधिकारी सच बोलने का साहस दिखाता है तो उस पर लोग ऐसे टूट पड़ते हैं जैसे कि वह देशद्रोही या गद्दार हो या राष्ट्रहित को चोट पहुंचाने वाली विवेकहीनता का प्रदर्शन कर रहा हो। हमारे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में जेट विमानों को क्षति पहुंचने की बात क्या स्वीकारी कि राजनयिक और रक्षा विशेषज्ञ उन पर टूट पड़े। लोग कह रहे हैं कि उन्होंने एक कार्यनीतिक चूक स्वीकार करके पाकिस्तान की जीत के आख्यान को बढ़त का मौका दे दिया है, जबकि उन्होंने इस पूरे युद्ध पर एक विवेकपूर्ण टिप्पणी करते हुए यह भी कहा था कि दोनों ओर के सैनिक अधिकारियों में इतना विवेक था कि उन्होंने इस टकराव को नाभिकीय युद्ध तक नहीं जाने दिया। युद्ध में जीत की लालसा, राष्ट्रीय संप्रभुता का अहंकार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की चाहत हमें उस मुकाम तक ले आयी है, जहां हम जीत के लिए परमाणु बम की धमकी तक देने तैयार हैं और हार को झूठ के गुब्बारों से सजाकर जीत दिखाना चाहते हैं। लगता है, युद्ध एक स्थायी भाव है और युद्धविराम एक संचारी भाव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए युद्धविराम और शांति व्यापार करने का एक अवसर है और युद्ध हथियार बेचने, अमेरिका को महान बनाने और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की रणनीति का। जो स्थिति भारतीय उपमहाद्वीप में बनी है वह कमोवेश पूरी दुनिया में निर्मित हो रही है। भारत के मुख्यधारा के मीडिया पर जिस तरह से सेना के युद्धोन्मादी सेवानिवृत्त अफसरों के ढपोरशंखी बयानों और वक्तव्यों की बाढ़ आई हुई है उतना तो शायद दुनिया के किसी देश में नहीं है। रूस–यूक्रेन युद्ध या इजराइल–फिलस्तीन युद्ध ने तथाकथित सभ्य देशों को असभ्य देश के रूप में तब्दील कर दिया है और नहीं लगता कि उनके पास मौजूदा स्थिति का कोई समाधान है। विडंबना है कि भारतीय उपमहाद्वीप में इस दौरान शांति का स्वर हाशिए पर ठेल दिया गया है। युद्ध के शुरू होते ही मैग्सैसे पुरस्कार विजेता संदीप पांडेय और मेधा पाटकर ने युद्धविराम की अपील की थी, लेकिन उनके बयानों को कितना महत्त्व दिया गया, कहा नहीं जा सकता। आज इस उपमहाद्वीप में जिस प्रकार से चीन और पाकिस्तान की ओर से भारत पर युद्ध थोपने की भविष्यवाणी की जा रही है, रणनीतिक और राजनयिक रूप से भारत जिस तरह से अलग–थलग पड़ता दिख रहा है वह सब एक भयावह परिदृश्य उपस्थित करता है। इससे निपटने का एक तरीका तो यह है कि लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं में कटौती करते हुए निरंतर हथियार जमा किए जाएं, उनको टेक्नोलॉजी के लिहाज से उन्नत करते रहा जाए और भारत जैसी विशाल आबादी को सैन्य प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया जाए। दूसरा तरीका है कि इस उपमहाद्वीप से लेकर दुनिया के दूसरे हिस्सों तक शांति का वह अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाया जाए जिसकी कल्पना रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग, लियो टालस्टाय, विनोबा, थोरो, क्रोपाटकिन और डेस्मांड टूटू जैसे विचारकों ने की थी। दूसरा रास्ता अधिक श्रेष्ठ और टिकाऊ है और उसकी चर्चा उसी तरह होनी चाहिए जिस तरह भीष्म ने शांतिपर्व में की थी। रवींद्रनाथ टैगोर ने गीतांजलि के अलावा स्वर्ग का गीत जैसी कविताओं में हार की गरिमा का वर्णन किया है तो महात्मा गांधी ने अहिंसा को परमाणु बम से भी श्रेष्ठ हथियार माना है। टैगोर कहते हैं कि हार जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे व्यक्ति अधिक मजबूत और विनम्र बनता है और आध्यात्मिक रूप से प्रेरित करने वाला अनुभव प्राप्त करता है। वे कहते हैं कि हार निराशा और कमजोरी नहीं है, बल्कि सीखने और विकास का अवसर है। हार से घबराना नहीं, बल्कि इससे जीवन की गहरी समझ हासिल की जा सकती है। हार भगवान के करीब ले जाती है। गांधी कहते हैं, जहां तक मैं देख सकता हूं, परमाणु बम ने उस उत्कृष्ट भावना को जड़ बना दिया है जिसके सहारे मानव जाति युगों से जीवित रही है। एक समय तथाकथित युद्ध नियम हुआ करते थे जो उन्हें सह्य बनाते थे। अब जो नग्न सत्य है उसे हम जानते हैं। युद्ध में सिवाय पशुबल के कोई नियम नहीं होता। परमाणु बम ने शमित्र शक्तियोंश को खोखली विजय दिलाई, लेकिन उसके परिणामस्वरूप कुछ काल के लिए जापान की आत्मा की ही हत्या हो गई है। संहारक राष्ट्र की आत्मा का क्या हुआ है उसे देखने का समय अभी नहीं आया है। (परमाणु और अहिंसा, हरिजन, सात जुलाई 1946)। नार्वे के समाजशास्त्री योहान गाल्तुंग का कहना है कि हिंसा तीन तरह की होती है। एक प्रत्यक्ष हिंसा, दूसरी संरचनात्मक हिंसा और तीसरी सांस्कृतिक हिंसा। इनमें से बाद की दो किस्म की हिंसा अदृश्य रहती हैं, लेकिन वे अधिक शक्तिशाली होती हैं। वे हिंसा दूर करने के लिए विवाद के समाधान की बजाय विवाद के रूपांतरण की बात करते हैं।

विवाद का समाधान अस्थायी होता है, जबकि विवाद का रूपांतरण समस्या की जड़ तक जाकर उसका हल करना होता है। मानव सभ्यता की प्रगति के साथ युद्ध के विरोध की एक चेतना निर्मित हुई है, लेकिन इक्कीसवीं सदी में जिस तरह विचार शून्यता, बड़बोले नेतृत्व और खतरनाक हथियारों की निर्मिति हुई है उससे फिर एक बार युद्ध का डंका बजना तेज हो गया है। श्संयुक्त राष्ट्र संघश के गठन के साथ अमेरिकी विश्वविद्यालयों में सैन्य शास्त्र के प्रोफेसरों की जरूरत पर प्रश्न चिह्न लग गया था, आजकल सैन्य विशेषज्ञों की ही धूम मची है। ऐसे में अगर मानव को अपनी सभ्यता का श्शांतिपर्वश स्थापित करना है तो एक ऐसे समाज की कल्पना करनी होगी जो अहिंसक हो और हत्याविहीन हो। एक ऐसी विश्व व्यवस्था हो जो समस्याओं की जड़ में जाकर विवादों का रूपांतरण करे। यह तभी हो सकता है जब शांति और अहिंसा वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था निर्मित हो जो राष्ट्रीय संप्रभुता के हिंसक रूप और राजनेताओं के विजय के अहंकार का शमन करे और शांति को एक वैश्विक मूल्य के रूप में पोषित करे।

ट्रंप ने पाक के नेतृत्व को मजबूत नहीं हमारे नेतृत्व को कमजोर बताया है!

शकील अख्तर

यह अभी तक का डोनाल्ड ट्रंप का सबसे बड़ा हमला है! प्रकारातंर में यह हमारे नेतृत्व को कमजोर बताना है। जब गांव में वोट मांगने जाते हैं तो वह यह नहीं कहता कि आप सही नहीं हैं। वह कहता हैं– वे बहुत अच्छे हैं! पूरी दुनिया में यही माहौल बन गया है। कोई पाकिस्तान का समर्थन नहीं कर रहा। उसके नेतृत्व को मजबूत और भरोसे लायक नहीं बता रहा हमारे नेतृत्व को कमजोर और आत्ममुग्ध बता रहा है। देश की यह हालत कभी नहीं रही। लेकिन इस पर भी न प्रधानमंत्री मोदी और न ही गोदी मीडिया समझने को तैयार हैं। मोदी अपनी छवि को ऊपर रख रहे हैं। जो अब इतनी कमजोर हो गई है कि कोई भी ब्रांडिंग उसे वापस मजबूत नहीं कर सकती। वापसी के लिए इन्दिरा गांधी जैसा आत्मबल होना चाहिए। 1977 के बाद सबने उन्हें खतम कहानी मान लिया था। मगर उन्होंने फिर वापसी की। आधार खोखला नहीं होना चाहिए। नहीं तो वह बूमरैंग (पलटवार) करता है। 56 इंच की छाती, लाल आंख वालों का सबसे बड़ा आधार गोदी मीडिया था। और उसने ही अब सबसे ज्यादा बेइज्जती करवाई है। अगर मोदी को वापस अपनी अन्तरराष्ट्रीय छवि में कुछ इजाफा करना है तो उन्हें इन गोदी मीडिया के महारथियों को लाइन अप करना चाहिए। जो भी कानून सम्मत कड़ी सजा होती है वह देना चाहिए। नहीं तो दुनिया में चाहे जितने प्रतिनिधिमंडल भेज लें बिगड़ी छवि सुधारने वाली नहीं है। वाशिंगटन पोस्ट में उसके झूठ का लेखाजोखा छपने के बाद वह बहुत दबाव में है। और अंदर से खोखले लोग दबाव पड़ने पर और ज्यादा मूर्खता का इजहार करते हैं। वे प्रधानमंत्री का कोई और बड़ा रूप बनाकर पेश कर सकते हैं। जिससे जगहंसाई हो। याद रहे वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट आने के बाद ही ट्रंप ने पाकिस्तान की लीडरशिप को ग्रेट और स्ट्रांग कहा। इसका मतलब अगर आपकी भी होती तो 9 मई के बाद जब गोदी मीडिया की हंड्रेड परसेन्ट झूठी खबरों ने सच का जनाजा निकाल दिया था प्रधानमंत्री मोदी इन मीडिया वालों को अंदर कर चुके होते। भारत की सेना जीत रही थी। उसका अपर हैंड (बढ़त) था। ऐसे में सच्ची खबरें ही उसका शौर्य बताने के लिए पर्याप्त थीं। मगर उसने ऐसे ऐसे झूठ चलाए जिनका कोई सिर–पैर ही नहीं था। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष गिरफ्तार, तख्तापलट की तैयारी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने आत्मसमर्मण किया। गप्प की भारी होड़ थी दूसरे चौनल ने कहा बंकर में छुपे हुए हैं। एक वहां के सारे बड़े शहर कब्जे में, प्रमुख शहरों को नष्ट कर दिया। यह सब हम वाशिंगटन पोस्ट द्वारा तथ्यात्मक रूप से तैयार की गई 7 जून को प्रकाशित रिपोर्ट से बता रहे हैं। अखबार ने कहा कि इन झूठे दावों के समर्थन में गाजा और सूडान के संघर्षों, फिलाडेल्फिया की एक विमान दुर्घटना और यहां तक कि वीडियो गेम के शाट लेकर भी दिखा दिए गए। बहुत बड़ी रिपोर्ट है। एक एक तथ्य और सबूत के साथ कहा गया है कि भारतीय मीडिया ने यह राक्षसों जैसा काम किया है। और सबसे घटिया काम अपने झूठ का यह कहते हुए बचाव कि हमने कोई काम देश के खिलाफ नहीं किया। अब इन कम जानकार लोगों को कौन समझाए कि इस तरह के एक क्षेत्र में किए झूठे दावे दूसरे क्षेत्र की सेना पर असर डालते हैं। एक सेक्टर में सेना अच्छा काम कर रही होती है मीडिया के जरिए उसे दूसरे क्षेत्र की अफलातूनी खबर मिलती है तो वह गिल्ट में आ जाती है। गलती कर सकती है। देश को नुकसान हो सकता है। हमें विश्वास है कि जब वक्त बदलेगा तो सेना इन्हें अच्छी तरह समझाएगी। हमने शायद बताया हो कि फोर्स से एक ऐसे ही पत्रकार को किस तरह बचाया था। सीमावर्ती क्षेत्र में। और बचाने का मतलब आप समझ गए ना। बच गया! तो यह देश की सेवा नहीं होती देश का नुकसान होता है। इसीलिए ट्रंप कह रहे हैं मेरा कहना किसी को बुरा लग सकता है। बिल्कुल सही है, लग रहा है। यह भारत के खिलाफ जाता दिख रहा है। विदेश में भारत का प्रधानमंत्री मतलब भारत ही होता है। और भारत का नेतृत्व मतलब प्रधानमंत्री कभी कमजोर नहीं रहा। चाहे वह कोई रहा हो। एच डी देवगौड़ा, गुजराल, चन्द्रशेखर कोई भी। और इसका कारण है हर प्रधानमंत्री के पीछे भारत की ताकत होती थी। मगर मोदी ने एक बिल्कुल ही नया काम किया। अपनी छवि देश से ऊपर बनाने का। 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। मतलब 2014 से पहले के भारत को ही खतम कर दिया। अपनी लकीर बड़ी करने के लिए देश की लकीर छोटी करने की कोशिश। ऐसे बहुत उदाहरण हैं। स्थानाभाव के कारण नहीं लिख सकते। नहीं तो वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के ही और हिस्से भी जिनमें इस गोदी मीडिया की धज्जियां उड़ा दी गई हैं बताते। मगर पाठक पढ़ सकते हैं। हिन्दी में उसका पूरा अनुवाद सोशल मीडिया पर है। पाकिस्तान के शासकों के लिए ट्रंप के इस सर्टिफिकेट से बड़ा कुछ नहीं हो सकता है। और वहां की जनता के लिए हंसने वाली बात। हमारे साथ पाकिस्तान के पूर्व शासकों के कैसे भी संबंध रहे हों मगर सच यह है कि सब अपने देश में बड़े नाम थे। आज के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ जिनकी ट्रंप ने तारीफ की है उनकी तो एकमात्र पहचान केवल नवाज शरीफ के भाई की है। मगर वह भी मजबूत नेता हो गए! क्या कहें? हमारी बदकिस्मती! कहने को तो वे कहते हैं कि उनकी किस्मत से यह होता है, वह होता है। और इसी भ्रम में इस लोकसभा चुनाव से पहले जिसमें वे 400 पार सीटें जीतने जा रहे थे नान बायलोजिकल (हम आप जैसे इंसान नहीं, अवतार) बन गए। इन्हीं बड़ी–बड़ी बातों की वजह से दुनिया में उनकी छवि खराब हुई है। और इसका प्रभाव देश पर पड़ा। पाकिस्तान कभी किसी मुकाबले में हमसे बराबरी पर भी नहीं आ पाया। और अब ट्रंप उसकी लीडरशिप को ग्रेट और स्ट्रांग बता रहे हैं। दुनिया भर में हमें अपनी छवि सुधारने के लिए कई प्रतिनिधि मंडल भेजना पड़े। मगर क्या हुआ? उसके बाद भी ट्रंप यह कह रहे हैं। वाशिंगटन पोस्ट जो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अखबारों में से है ऐसी रिपोर्ट छापता है जिससे भारत की छवि खराब होती है। इस गोदी मीडिया की तो क्या होना? इसकी तो अब कोई बची नहीं है। इसके मालिक ही पूछते हैं कि वह खबर सच्ची थी? जी सर, हमने दिखाई थी। अरे इसलिए तो पूछ रहे हैं कि तुमने दिखाई थी! दो कौड़ी की क्रेडिबलटी नहीं बची है और उसका असर यह है कि देश की छवि विदेश में खराब हो रही है। 11 साल में जितना झूठ बोला गया सब सामने आ रहा है। मगर अफसोस यह है कि देश की कीमत पर। देश विदेशों में बदनाम हो गया। एक देश साथ खड़ा हुआ नहीं है और ट्रंप का कोई भरोसा नहीं है कि वह अभी कितनी बार और क्या बोलेंगे! जी–7 में कनाडा जाने को तैयार हो गए। आत्मसम्मान की कोई चिन्ता किए बिना। लेट इनविटेशन अपमान होता है। मूल लिस्ट में आप शामिल नहीं थे। जैसे हमारे यहां सभा समारोहों में होता है। फलाने नहीं आए, फलाने को मंच पर बिठा लो। जाएं कनाडा! मगर वहां इस बार मीडिया से बचना इतना आसान नहीं होगा। और दूसरे शक्तिशाली देशों के प्रमुख भी अब कोई सहानभूति वाला रुख नहीं दिखा रहे हैं। देश की इज्जत बनी रहे। बस यही कामना है!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

हिंसाग्रस्त मणिपुर, अकेले तिरंगा लहराते मोदी

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। मैतेई कट्टरपंथी संगठन अरम्बाई टेंगोल के नेता की कथित गिरफ्तारी के बाद इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में व्यापक विरोध प्रदर्शन होने लगा, जिसका असर इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों इन पांच जिलों पर खास तौर से देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने नेता की रिहाई की मांग करते हुए क्वाकीथेल और उरीपोक में सड़क के बीचों–बीच टायर और पुराने फर्नीचर जलाए, वहीं इंफाल पूर्व जिले के खुरई लामलोंग में एक बस में आग लगा दी। क्वाकीथेल में कई गोलियों की आवाजें सुनी गईं लेकिन यह पता नहीं चल पाया कि गोलियां किसने चलाईं। खबर फैली कि गिरफ्तार नेता को राज्य से बाहर ले जाया जा सकता है तो प्रदर्शनकारियों ने तुलीहाल में इंफाल हवाई अड्डे के द्वार का घेराव भी किया और सड़क के बीच में सो गए।ये सारा हाल जाहिर करता है कि विरोध प्रदर्शन और कितना बढ़ सकता है। इसके बाद एहतियातन प्रशासन ने इन पांच जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को पांच दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाओं को भड़काने वाले चित्र, अभद्र भाषा और घृणास्पद वीडियो संदेशों के प्रसारण के लिए सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर उपयोग कर सकते हैं, जिससे मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है। प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी तो निभाई है, लेकिन जिस कानून और व्यवस्था का हवाला देकर फिर से इंटरनेट सेवाएं बंद की गई हैं, क्या उसका कोई नामलेवा अभी राज्य में बचा है, यह सवाल अब सीधे केंद्र सरकार से किया जाना चाहिए। पिछले 2 सालों से मणिपुर अशांत बना हुआ है। मई 2023 में भड़की हिंसा की चपेट में पूरा राज्य आ गया, और हत्या, लूटपाट, आगजनी की असंख्य घटनाओं के बीच दो युवतियों के साथ बलात्कार और नग्न परेड जैसी अमानवीय, नृशंस घटनाएं भी हुईं। जिसकी गूंज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठी। ऐसी भयावह परिस्थिति किसी सैन्य शासन या तानाशाही वाले देश या किसी युद्धग्रस्त देश में घटती तो यह सवाल नहीं उठता कि सरकार क्या कर रही है। हमने पाकिस्तान, अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर मध्य एशिया या अफ्रीका के कई कमजोर देशों में इस तरह की घटनाओं को होते देखा है, क्योंकि वहां लोकतंत्र नहीं है या अगर है तो उसे कमजोर कर दिया गया है। इसके बाद यही गनीमत लगती है कि भारत में लोकतंत्र बना हुआ है, जिसमें आम जनता रोजमर्रा की परेशानियों से भले जूझे, लेकिन इस तरह के अतिरेक से बची रहती है। किंतु दो सालों से मणिपुर के हाल देखकर सवाल उठता है कि क्या वाकई लोकतंत्र के रास्ते पर देश चल रहा है या केवल दिखावा हो रहा है। दो साल हो गए लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अब तक एक बार भी मणिपुर नहीं गए, संसद में भी उन्होंने इस राज्य के हालात पर तभी बयान दिया जब विपक्ष ने अपना दबाव बनाया और सुप्रीम कोर्ट को भी दखल देना पड़ा। इस बीच मणिपुर में बड़ी मुश्किल से मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया और 100 से अधिक दिनों से अब वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। हालांकि इस बीच भाजपा की तरफ से सरकार बनाने के दावे पेश किए जाते रहे हैं। लेकिन शायद विधायकों को केंद्र की भाजपा से हरी झंडी नहीं मिल रही। शायद भाजपा अब मणिपुर की जिम्मेदारी ही नहीं लेना चाहती है। बीते 2 साल से ज्यादा समय से जारी हिंसा में 270 से ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवा चुके हैं और हजारों लोग घायल हुए हैं। करीब 60 हजार लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इन दो सालों में श्री मोदी ने देश–विदेश की करीब 3 सौ यात्राएं की हैं, लेकिन मणिपुर जाने के लिए दो–तीन घंटे का वक्त भी उन्होंने नहीं निकाला। न ही वे दिल्ली बैठकर मणिपुर के मुद्दे को हल करने के लिए किसी तरह गंभीर दिख रहे हैं। अगर ऐसा होता तो शायद परिणाम सामने रहते। मगर इस समय ऐसा लग रहा है मानो भाजपा और नरेन्द्र मोदी के लिए मणिपुर अस्तित्व ही नहीं रखता है। अपने ही देश के एक राज्य के साथ यह सौतेला व्यवहार आखिर नरेन्द्र मोदी क्यों कर रहे हैं, यह गंभीर चिंता का विषय है। अभी भाजपा मोदी सरकार के 11 सालों का जश्न देश भर में मनाने की तैयारी में है। खुद श्री मोदी ने इस बारे में ट्वीट किया कि बीते 11 सालों में हमारी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति समर्पित रहा है। इन वर्षों में हमने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे न सिर्फ ऐतिहासिक हैं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को सरल और बेहतर बनाने में सहायक रही हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हम अपने इन प्रयासों से एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का सपना जरूर साकार करेंगे। प्रधानमंत्री से पूछा जाना चाहिए कि सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण जैसे शब्दों का मणिपुर में कोई स्थान है या नहीं। जम्मू–कश्मीर जाकर पुल से अकेले तिरंगा लहराकर अपनी देशभक्ति और देशसेवा प्रदर्शित करने की नाटकीयता श्री मोदी को दिखाने की जरूरत नहीं पड़ती, अगर वे वाकई तिरंगे के तहत आने वाले तमाम राज्यों को समभाव से देखते हुए ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाते। अभी तो राहुल गांधी जैसे विपक्ष के नेताओं से ही उम्मीद है कि वे मणिपुर के लोगों के कष्ट बांटेंगे।

सुशांत की मौत के बाद सबकुछ थम गया, भाई शोविक की पढ़ाई भी हो गई थी चौपट..रिया चक्रवर्ती का छलका दर्द

> रिया चक्रवर्ती ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में बताया कि २०२० में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद, उनकी और उनके भाई की जिंदगी पूरी तरह रुक गई थी। उस हादसे ने न सिर्फ उनके निजी जीवन को तोड़ा, बल्कि उनके करियर को भी पूरी तरह थाम दिया।

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद जिस तरह से रिया चक्रवर्ती को सार्वजनिक और कानूनी जांच का सामना करना पड़ा, उसने उनके साथ–साथ उनके परिवार की जिंदगी को भी पूरी तरह बदल कर रख दिया। वहीं, अब चार साल बाद, रिया ने पहली बार उस मानसिक और सामाजिक संघर्ष को विस्तार से शेयर किया, जिसे उन्होंने और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती ने झेला। रिया चक्रवर्ती ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में बताया कि 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद, उनकी और उनके भाई की जिंदगी पूरी तरह रुक गई थी। उस हादसे ने न सिर्फ उनके निजी जीवन को तोड़ा, बल्कि उनके करियर को भी पूरी तरह थाम दिया। एक्ट्रेस ने कहा, जब हम उस ट्रैजडी से गुजरे, तो हम दोनों ने अपना करियर खो दिया। मुझे एक्टिंग से जुड़ा कोई भी काम मिलना बंद हो गया था और शोविक, जिसने कैट में 96: नंबर पाए थे और एक नामी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया था, उसे अरेस्ट कर लिया गया था। जब तक वह बाहर आया, उसका पहला ट्रायमेस्टर खत्म हो गया था। इसके साथ ही उसकी डठ। करने की प्लानिंग समेत फ्यूचर की दूसरी चीजें भी खत्म हो गई थीं। रिया चक्रवर्ती ने बताया कि कॉर्पोरेट फील्ड में तो शोविक के लिए नौकरी पाना लगभग नामुमकिन हो गया था, क्योंकि मीडिया ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया था। कोई भी ऐसे इंसान को काम पर नहीं रखना चाहता था, जिसकी मीडिया में इतनी बदनामी हो। हालांकि, रिया और शोविक ने इस कठिन दौर के आगे झुकने की बजाय स्व–रोजगार का रास्ता चुना। दोनों भाई–बहन ने मिलकर 'बिंचजमत 2 क्तपच' नामक एक क्लोदिंग ब्रांड लॉन्च किया, जो फैशन की दुनिया में धीरे–ध ीरे अपनी पहचान बना रहा है। काम की बात करे तो,एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हाल ही में एमटीवी रोडीज डब्ज एक्स में बतौर गैंग लीडर नजर आई थीं

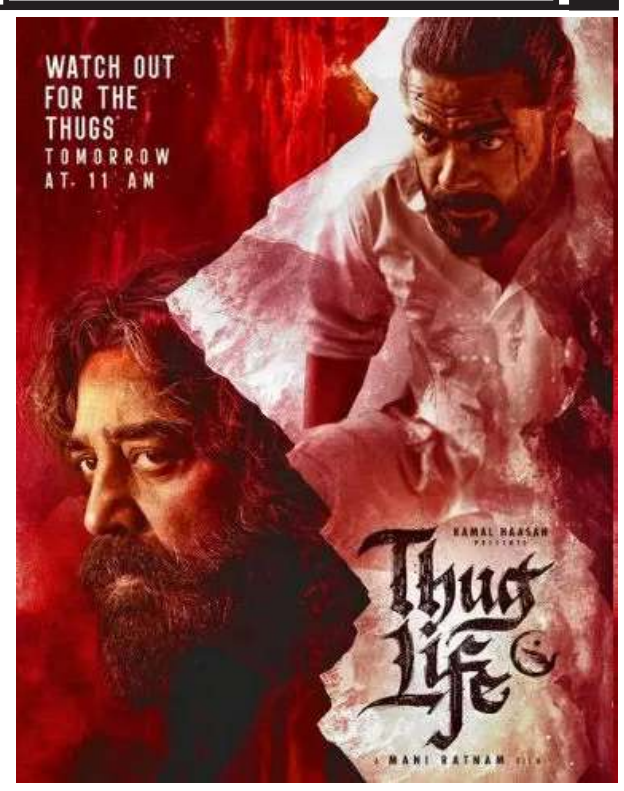

ठग लाइफ विवादः थिएटर सुरक्षा याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

कर्नाटक में कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ को लेकर धमकियों की घटनाओं के बीच थिएटर एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी और सिनेमाघरों को सुरक्षा देने की मांग की। साथ ही इस मामले में तुरंत सुनवाई करने की गुजारिश भी की, लेकिन अदालत ने तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। दरअसल, थिएटर एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में बताया कि फिल्म की स्क्रीनिंग को लेकर कुछ असामाजिक तत्व धमकी दे रहे हैं। सिनेमाघरों में आग लगाने की भी धमकी दी जा रही है। याचिकाकर्ता के वकील ने सुरक्षा की मांग करते हुए इस मामले में तुरंत सुनवाई करने की अपील की, लेकिन जस्टिस पीके मिश्रा ने तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता से कहा कि पहले वह कर्नाटक उच्च न्यायालय में इस मामले को उठाएं। बता दें कि कमल हासन ने ठग लाइफ के प्रमोशन के दौरान भाषा को लेकर टिप्पणी की थी। 28 मई को चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ है। उनकी इस विवादित टिप्पणी का कर्नाटक के साथ–साथ कई दूसरे हिस्सों में भी विरोध देखने को मिला। आम लोगों के साथ ही नेताओं ने भी हासन की इस टिप्पणी पर नाराजगी जाहिर की। भाजपा और कन्नड़ समर्थक समूहों ने उनके बयान की निंदा की और बिना शर्त माफी की मांग की थी। ठग लाइफ 5 जून को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसे तेलुगु, हिंदी और मलयालम में भी रिलीज किया गया। फिल्म की कहानी एक माफिया डॉन के इर्द–गिर्द घूमती है, जो विश्वासघात के बाद बदला लेने के लिए निकल पड़ता है। इसमें कमल हासन के साथ सिलाम्बरासन टीआर, तृषा कृष्णन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, अशोक सेलवन, अबिरामी, जोजू जॉर्ज, नासर, अली फजल और रोहित सराफ जैसे कलाकार अहम किरदार में हैं।

श्रिया पिलगांवकर ने की यूपी की महिला पुलिस अधिकारियों से मुलाकात, कहा–यह आँखें खोल देने वाला अनुभव

जी5 की ओरिजिनल सीरीज छल कपट द डिसेप्शन में एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने दमदार किरदार से दर्शकों को चौंकाने वालीं श्रिया पिलगांवकर इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं। इसी कड़ी में एक्ट्रेस ने हाल ही में लखनऊ में उत्तर प्रदेश की महिला पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान, उन्हें उत्तर प्रदेश की अत्याधुनिक हेल्पलाइन 1090 के कामकाज के बारे में जानकारी दी गई, जो महिलाओं के लिए त्वरित और संवेदनशील सहायता सेवा प्रदान करती है। श्रिया ने इस अनुभव को आँखें खोल देने वाला बताया और कहा कि इससे उन्हें इंस्पेक्टर देविका के किरदार को और गहराई से समझने का मौका मिला। घरेलू हिंसा की पीड़िता रही देविका, अब एक ऐसी अफसर है, जिसकी नजरें झूठ और फरेब को चीर देती हैं। श्रिया ने कहा, 1090 हेल्पलाइन और इन महिला अफसरों की कार्यशैली ने मुझे बहुत प्रेरित किया। इंस्पेक्टर देविका अब मेरे लिए सिर्फ एक किरदार तक ही सीमित नहीं रह गई है, वह हर उस महिला की प्रतिनिधि बन गई है, जो टूटकर भी उठ खड़ी होती है। वहीं, बात करें छल कपट द डिसेप्शन की कहानी की तो यह एक छोटे–से गाँव के विवाह समारोह से शुरू होती है, जहां अलीशा अपनी बचपन की सहेलियों– महक, इरा और शालू से मिलती है। लेकिन, खुशियों के इस माहौल में उस समय भूचाल आ जाता है, जब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनी शालू मृत पाई जाती है।इसके बाद जाँच शुरू होती है और हर दोस्त पर शक गहराने लगता है। इस रहस्यमयी हत्या की गुत्थी सुलझाने की जिम्मेदारी इंस्पेक्टर देविका के कंध ों पर है, जो खुद भी अपने अतीत से जूझ रही है।

हाउसफुल 5 ने कमाई में पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा, कमल हासन की ठग लाइफ फेल

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5', जो 6 जून, 2025 को सिल्वर स्क्रीन पर आई थी, ने सोमवार की परीक्षा सफलतापूर्वक पास कर ली है, क्योंकि कॉमेडी थ्रिलर फिल्म ने चौथे दिन 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि, दूसरी ओर, 5 जून, 2025 को रिलीज़ हुई कमल हासन की स्टारर 'ठग लाइफ' सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन करने में विफल रही। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जानने के लिए आगे पढ़ें।

हाउसफुल 5 ने पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा

तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी श्हाउसफुल 5श ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले चार दिनों में अच्छी कमाई की है। कॉमेडी थ्रिलर फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपने चौथे दिन 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिलक के अनुसार, फिल्म ने अपने पहले दिन 24 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 31 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 32.5 करोड़ रुपये और पहले सोमवार को 13.50 करोड़ रुपये की कमाई की। वर्तमान में, अक्षय कुमार की इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 101 करोड़ रुपये है। सोमवार, 9 जून, 2025 को बॉलीवुड फिल्म ने कुल 19.78: हिंदी ऑक्यूपेंसी हासिल की।

हिट कॉमेडी फ्रैंचाइज़ी श्हाउसफुलश की पाँचवीं किस्त, जिसका नाम हाउसफुल 5 है, में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नाना पाटेकर, नरगिस फाखरी, जैकी श्रॉफ और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

हाउसफुल 5 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 4

फिल्म की कुल कमाई 100.5 करोड़ है। ये दिन के अंतिम आंकड़े हैं।

फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 160.50 करोड़ है। चौथे दिन इसका ओवरसीज कलेक्शन 40 करोड़ रहा, जबकि उसी दिन इसका इंडिया ग्रॉस कलेक्शन घ120.50 करोड़ रहा।

सोमवार को हाउसफुल 5 की कुल ऑक्यूपेंसी 19.78: रही।

सुबह के शोः 8.88%

दोपहर के शोः 21.54%

शाम के शोः 22.44%

रात के शोः 26.24%

दिल्ली एनसीआर, मुंबई, अहमदाबाद और बेंगलुरु में हाउसफुल 5 की सबसे ज़्यादा स्क्रीनिंग हुई। ऑक्यूपेंसी के मामले में मुंबई और दिल्ली एनसीआर सबसे आगे हैं, उसके बाद जयपुर और लखनऊ का नंबर आता है।

हाउसफुल 5: कास्ट, क्लाइमेक्स, डायरेक्टर

हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, सौंदर्या शर्मा, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, निकितिन धीर, चित्रांगदा सिंह और फरदीन खान जैसे सितारे हैं।

इस मर्डर मिस्ट्री को दो संस्करणों में रिलीज़ किया गया था– हाउसफुल 5। और हाउसफुल 5ठ, दोनों में अलग–अलग क्लाइमेक्स सीक्वेंस और अलग–अलग हत्यारे हैं।

इसका निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला, वर्दा नाडियाडवाला और फिरुजी खान ने प्रोडक्शन बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन

फांसी के फंदे से झूल गई मशहूर मॉडल, 23 साल की उम्र में अंजलि वरमोरा ने कहा दुनिया को अलविदा

सूरत की मशहूर मॉडल अंजलि वरमोरा को लेकर एक बुरी खबर सामने आई है। अंजलि की महज 23 साल की उम्र में मौत हो गई है। उनके अचानक निधन ने उनके परिवार को तोड़ दिया है। अंजलि की मौत किसी बीमारी या हादसे के कारण नहीं हुई है, बल्कि उन्होंने खुद ही अपने आप को फांसी का फंदा लगाया है। यह मामला सामने आने के बाद हर कोई हैरान है। जानकारी की मुताबिक, अंजलि वरमोरा ने अपने घर में पंखे से लटककर अपनी जान दे दी। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। दरअसल, जब अंजलि वरमोरा का उनके घर पर फांसी के फंदे से झूलते हुए शव मिला, तो इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने एक्शन लेते हुए फौरन अंजलि वरमोरा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अब पुलिस का कहना घ्छै कि अंजलि वरमोरा लंबे समय से मानसिक तनाव से जूझ रही थीं। ये बात अलग है कि उन्होंने इस बारे में कभी किसी से बात नहीं की और न ही फांसी लगाते वक्त को को ईसुसाइड नोट छोड़ा।

इस तरह बना लेंगे अपनी मॉर्निंग रूटीन तो हफ्तों में ही कम हो जाएगी लटकती तोंद

मोटापा न सिर्फ हमारी लुक को खराब करता है बल्कि ये अपने साथ कई तरह की गंभीर बीमारियों को भी साथ लाता है। इसलिए सही समय पर इसे कंट्रोल करना बहुत जरुरी होता है। ऐसे में बढ़ते हुए वेट पर अगर आप काबू पाना चाहते हैं तो आपको मॉर्निंग रूटीन में कुछ बातों का खास ध्यान रखने की जरूरत है। हम आपको आज कुछ ऐसी चीजें बताएंगे जिसे आप ध्यान में रखते हुए महज कुछ ही हफ्तों में मोटापा कम कर सकते हैं।

जरूरी है फिटनेस

आप मोटापा सेहत को बुरी तरह से डैमेज करने की क्षमता रखता है। इसलिए आपको भी बढ़ते हुए वेट पर काबू पाने के कुछ तरीकों के बारे में जान लेना चाहिए। सुबह–सुबह महज तीन काम आपकी वेट लॉस जर्नी को काफी ज्यादा आसान बना सकते हैं।

कैसा होना चाहिए मॉर्निंग रूटीन?

मॉर्निंग रूटीन में कुछ बातों पर गौर करके आप अपने मोटापे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। आपको अपने ब्रेकफास्ट में फाइबर, विटामिन और प्रोटीन से भरपूर खाने की चीजों को शामिल करना चाहिए। ब्रेकफास्ट को स्किप करने की गलती बिल्कुल भी न करें वरना आपका मेटाबॉलिज्म स्लो हो सकता है। इसके अलावा आपको हर रोज सुबह–सुबह एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए। इसके अलावा आप कम से कम 40 मिनट्स की वॉक भी कर सकते हैं।

फॉलो करें नियम

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक डाइट और एक्सरसाइज के साथ–साथ आपको हर रोज अपने दिन की शुरुआत गुनगुने पानी से करनी चाहिए। यानी अपने मॉर्निंग रूटीन में गुनगुना पानी, हेल्दी–बैलेंस्ड डाइट और एक्सरसाइज को शामिल करना आपके लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। अगर आपने इस नियम को नहीं तोड़ा तो आपको कुछ ही हफ्तों में पॉजिटिव रिजल्ट्स मिल सकते हैं।

अगर आप इन बातों का ध्यान रखते हैं तो यकीनन बिना पसीना बहाए आप मोटापे को आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं। आप भी इन बातों का जरूर ध्यान रखें।

2 दिन की छुट्टी में घूमे यहां, नोएडा से बस 250 किमी दूर है यह हिल स्टेशन

अगर आप कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो बस 2 दिन की छुट्टी में आप कही 250 किमी की दूरी पर घूमना चाहते हैं तो ये जगह आपके लिए परफेक्ट है। यहां आपका ज्यादा खर्चा नहीं होगा। आइए जानते हैं ये जगह कौन–सी है।

यदि आप भी वीकेंड पर कहीं घूमने का प्लान कर रही हैं, तो आप इस खास जगह पर घूमने जरुर जाएं। दरअसल, यह जगह बहुत ही खास है और आप यहां घूमने कभी भी जा सकते हैं। बता दे, यह जगह नोएडा से बस 250 किमी दूर है। आप अपनी कार से भी जा सकते हैं। इस जगह का नाम है लैंसडाउन (स्ंदेकवूदम)। उत्तराखंड में स्थित यह शहर बेहद ही खूबसूरत है। इस शहर की स्थापना ब्रिटिश राज के तहत एक आर्मी कैंट के रुप में की गई थी और गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट का ये घर रहा है। चलिए इस जगह के बारे में बताते हैं।

कैसे पहुंचे

लैंसडाउन नोलैंसडाउन नोएडा से 250 किमी दूर है। यहां आप अपनी कार से बाय रोड जा सकते हैं, जो आपको 6 घंटे लगेंगे। आप बस से भी जा सकते हैं। वहीं, आप ट्रेन से जाना चाहते हैं तो आप पहले देहरादून जाएं या काठगोदम जाएं और यहां से लैंसडाउन जाएं।

यहां पर घूमने की जगहें

लैंसडाउन में घूमने के लिए कई सुंदर जगहें मौजूद हैं। जैसे सेंट मैरी चर्च, तारकेश्वर महादेव मंदिर,ट्रैवल कैफे, टिप–एन–टॉप व्यूप्वाइंट और भालूगढ़ झरना। इसके अलावा आप यहां तरह–तरह के एडवेंचर एक्टिविटीज भी कर सकते हैं। यहां आपको पहाड़, झरना और कई चीजें देखने को मिल जाएंगी। वहीं यहां पर घूमने का खर्चा लगभग 5 से 7 हजार वो भी आना–जाना और घूमने के लग सकते हैं।

गर्मियों में जरूर ट्राई करें इस तरह के लिपस्टिक शेड्स, मिलेगा ग्लैमरस लुक

जिस तरह से बदलते मौसम के हिसाब से हम सभी कपड़े पहनते हैं, उसी तरह से हमें लिपस्टिक शेड भी चूज करना चाहिए। गर्मियों में मौसम में आपको कुछ ऐसे लिपस्टिक शेड्स ट्राई करने चाहिए, जिसको लगाने के बाद आपके लिप्स अच्छे नजर आएं। ऐसा इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इससे आपका मेकअप अच्छा लगता है। साथ ही आपको कुछ डिफरेंट कलर ट्राई करने का मौका मिलेगा। आपको बता दें कि ऐसे कई लिपस्टिक के शेड्स होते हैं, जो गर्मी में लगाने के बाद काफी अच्छे लगते हैं।

बेरी लिपस्टिक शेड

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनको डार्क और लाइट कलर शेड की लिपस्टिक लगाना पसंद है। तो आप बेरी लिपस्टिक शेड कलर ट्राई कर सकते हैं। बेरी लिपस्टिक शेड डार्क और वाइन का मिक्स कलर होता है। इस तरह के लिपस्टिक को अप्लाई करने से लिप्स अच्छे लगते हैं, ऐसे में आपको यह शेड जरूर ट्राई करना चाहिए।

वाइन कलर लिपस्टिक

अगर आपको भी लाइट कलर की ड्रेस पहनना पसंद करती हैं, तो इसके साथ आपको वाइन कलर की लिपस्टिक ट्राई करनी चाहिए। इसमें आपको मैट और लिक्विड हर तरह के शेड मिल जाएंगे। आप चाहें तो डार्क मैरून और पिंक शेड को मिक्स कर बने शेड को ट्राई कर सकती हैं।

कोरल लिपस्टिक शेड

बहुत सारी लड़कियों को ब्राउन शेड लिपस्टिक लगाना बेहद पसंद होती है। लेकिन आप इस बार डार्क की जगह लाइट शेड ट्राई करें। इससे आपके लिप्स काफी अच्छे लगेंगे। इस तरह की लिपस्टिक में आपको लिक्विड और मैट दोनों कलर मिल जाएंगे। इसको आप मेकअप लुक के साथ लगा सकती हैं। मार्केट में आपको इस तरह की लिपस्टिक आसानी से मिल जाएगी। ऐसे में आप अपनी पसंद के ब्रांड के हिसाब से खरीद सकती हैं।

खीरा और ककड़ी में हैं ये अंतर, जानें कौन सा है सेहत के लिए बेहतर

गर्मियों में हमारे लिए खीरा ज्यादा बेहतर है या फिर ककड़ी? अब आप सोच रहे होंगे के दोनों तो एक ही चीज हैं, लेकिन आपको बता दें कि आप बिलकुल गलत हैं। ककड़ी और खीरा दोनों में अंत है लकिन लोग इसे एक समान ही समझ लेते हैं। इनका सेवन ज्यादातर गर्मियों में किया जाता है। ये दोनों न सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि यह पानी की कमी को दूर करते हैं और शरीर में एनर्जी बनाए रखते हैं। इसी के साथ चलिए हम आज आपको बताते हैं इन दोनों में अंत ंऔर क्या आपके लिए ज्यादा बेहतर हो सकता है।

दोनों में क्ष्या होता है अंतर?

अगर दोनों की बनावट की बात की जाए तो खीरा लंबा और थोड़ा मोता होता है, जबकि ककड़ी टेड़ी–मेड़ी और पतली सी होती है। हालांकि, खीरा और ककड़ी, दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन गर्मियों में खीरा और ककड़ी में से क्या खाना ज्यादा फायदेमंद होता है?

दोनों में होते हैं ये पोषक तत्व

खीरा में विटामिन सी, विटामिन बी, विटामिन ए, पोटैशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और फाइबर भरपूर होता है। जबकि ककड़ी में डायटरी फाइबर खूब होता है।

कष्सिमें होता है ज्यादा पानी

खीरा कि तो इसमें 90ः पानी होता है, इसके सेवन से बॉडी हाइड्रेटेड रहती है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जोकि त्वचा और बालों दोनों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

पाचन के लिए बेस्ट

ककड़ी में डायटरी फाइबर बहुत ज्यादा होता है, जो कष्ि की पाचन तंत्र को मजबूत करता है। साथ ही यह वजन को कंट्रोल करता है। यह हाई ब्लड प्रेशर को मैंटेन करता है। ककड़ी में विटामिन सी पाया जाता है जोकि शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाता है।

पेट रहता है भरा–भरा

खीरा में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, इसलिए गर्मियों में सबसे ज्यादा खीरा खाने की सलाह दी जाती है। हालांकि, स्वाद के मामले में दोनों का टेस्ट्ट समान ही लगता है। दोनों में खूब फाइबर होता है, पेट काफी देर तक भरा–भरा सा लगता है, जिससे आपको भूख कम लगती है और वजन कंट्रोल होता है।

भागदौड़ भारी लाइफ के बाद भी महिलाएं खड़े होकर करें ये 4 योगासन, रहेंगी फिट और स्वस्थ

अक्सर महिलाओं के पास खुद के लिए समय बिलकुल नहीं होता। महिलाएं परिवार की देखभाल करतीहैं। वे अपने जीवनसाथी और बच्चों के स्वास्थ्य की ज़िम्मेदारी रखती हैं, लेकिन खुद की सेहत का नहीं। गौरतलब है कि योग करना सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। योगा करने से मानसिक और शारीरिक रुप से स्वस्थ रखने में मदद करता है। स्वस्थ मन और फिट शरीर वाली महिलाएं परिवार के स्वास्थ्य को बढ़ाने में संभावना रखती हैं। इसलिए, यह कहना उचित होगा कि महिलाओं का स्वास्थ्य एक स्वस्थ समुदाय की कुंजी है। चलिए आपको ऐसे 4 योगासनों के बारे में जिन्हें जरुर करना चाहिए।

ताड़ासन

महिलाएं खुद को स्वस्थ रखने के लिए ताड़ासन कर सकती है। ताड़ासन मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही, यह पीठ के तनाव को कम करने में मदद करता है। ताड़ासन करने के लिए दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाते हुए सीधा खड़े हो जाएं। इसके बाद हाथों और एड़ियों को ऊपर उठाते हुए जितना हो सके शरीर को ऊपर की तरफ स्ट्रेच करें।

वीरभद्रासन

वीरभद्रासन सबसे अनोखे आसनों में से एक है क्योंकि यह खड़े होने और शरीर को संतुलित करने की दोनों गतिविधियों को जोड़ती है। इस मुद्रा में, एक पैर 90 डिग्री के कोण पर आगे की ओर झुका होता है जबकि दूसरा पिछला पैर 15 डिग्री के कोण पर पीछे की ओर फैला होता है, हाथ हवा में सीधे होते हैं। कम से कम 20 सेकंड तक रुकें और दोहराएं। यह आसन संतुलन बनाए रखने में मदद करता है और पीठ की मांसपेशियों, हैमस्ट्रिंग और कंधे की मांसपेशियों और जोड़ों को मजबूत बनाता है।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन का अभ्यास करने से पैरों, रीढ़ की हड्डी और पीठ को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही, इसे करने से डाइजेशन सिस्टम बेहतर होता है।

वृक्षासन

वृक्षासन या वृक्ष मुद्रा, चिंता कम करने के लिए एक शक्तिशाली योगा के रूप में सामने आया है। जैसे ही आप एक पेड़ की तरह ऊंचे खड़े होते हैं, एक पैर जमीन पर रखते हैं जबकि दूसरा पैर भीतरी जांघ या पिंडली पर रखते हैं, आप स्थिरता और आंतरिक शक्ति की भावना पैदा करते हैं। यह मुद्रा केंद्रित श्वास को प्रोत्साहित करती है, मन और शरीर के बीच संबंध को बढ़ावा देती है। इसके साथ ही, पैरों और शरीर की मांसपेशियों को मजबूत मिलती है।

संक्षिप्त

गूगलपे, फोनपे, पेटीएम यूजर्स दे ध्यान, यूपीआई में बार बार नहीं कर सकेंगे ये काम

गूगलपे, फोन पे, पेटीएम जैसे कई ऐप्स का उपयोग करने वाले यूजर्स के लिए महत्वपूर्ण खबर है। ऑनलाइन पेमेंट ऐप्स का उपयोग करने के लिए नए नियम एक अगस्त से लागू होने वाले है। एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) अपने एपीआई (एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) के इस्तेमाल के लिए नए नियम लागू करेगा। रिपोर्ट की मानें तो ये बदलाव अगस्त से लागू होने वाले है। इस बदलाव के बाद यूपीआई चलाने का तरीका बदलेगा। नए नियम के लागू होने से उम्मीद है कि यूपीआई सिस्टम में पड़ने वाला बोझ कम होगा। यूपीआई ऐप से बेलेंस चेक करने की संख्या सीमित हो जाएगा। वहीं अगर यूजर्स ने ऑटो पेमेंट का ऑप्शन सेट किया है उसमें भी बदलाव आएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देश में यूपीआई करने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। देश में 16 अरब ट्रांजैक्शन हर महीने किए जा रहे है। ये संख्या इतनी बढ़ गई है कि यूपीआई के सिस्टम पर अब लोड़ बढ़ने लगा है। कुछ दिनों पहले ही बैंकों ने बताया था कि सिस्टम का गलत उपयोग करने के मामले भी सामने आए है। कई तकमीकी खामियों की जानकारी भी मिली थी। इन कमियों को दूर करने के लिए यूपीआई के उपयोग में बदलाव हो रहे है। बता दें कि बीते दो से तीन महीनों में यूपीआई पेमेंट डाउन हुआ था। 12 अप्रैल 2025 को पांच घंटे तक पेमेंट डाउन रहा था, जिसने लोगों को परेशान कर दिया था। तीन वर्ष के दौरान ये सबसे बड़ा आउटेज था। यूपीआई के कारण लोगों में अब वॉलेट रखना छोड़ा है। कई लोग अब वॉलेट में राशि नहीं रखते है। अगर किसी कारण से यूपीआई डाउन हो जाए तो लोगों को परेशानी होने लगती है। नए नियमों इन परेशानियों को कम करने के लिए लाए जा रहे है। रिपोर्ट्स में सामने आया कि यूपीआई पेमेंट अब इतना फैला हुआ है कि इसमें हल्की रुकावट आने पर भी लाखों यूजर्स परेशान हो जाते है। हर सेकेंड सात हजार ट्रांजेक्शन यूपीआई के जरिए प्रोसेस हो रहे है। यूपीआई डाउन होने पर फोनपे, पेटीएम या गूगलपे नहीं चलने पर चार लाख यूजर्स पर असर होता है।

नए होंगे नियम

एनपीसीआई ने बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को कहा कि 31 जुलाई तक सबसे अधिक उपयोग होने वाले प्लेटफॉर्म को कंट्रोल करना होगा। यूपीआई के जरिए बार बार बैलेंस जांचने वालों के लिए मुश्किल होगी क्योंकि अब वो ऐसा नहीं कर सकेंगे। यूजर्स अब नियमित बार यानी कुल 50 बार बैलेंस चौक कर सकेंगे। यूजर्स का मोबाइल नंबर से कितने अकाउंट जुड़े हैं ये 25 बार जांच की जा सकेगी।

सेबी ने मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया

बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को शेयर ब्रोकरों के मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने

अपने आदेश में कहा कि जुर्माना 45 दिनों के भीतर चुकाया जाना चाहिए। नियामक ने अप्रैल 2022 से जनवरी 2024 के दौरान मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का विषयगत निरीक्षण किया। सेबी ने अपनी जांच में पाया कि अधिकृत स्थानों पर ट्रेडिंग टर्मिनल नहीं थे। सेबी ने कहा कि निरीक्षण के दौरान 13 टर्मिनल (एनएसई) बताए गए स्थान पर नहीं पाए गए। इसके अलावा कुछ अन्य उल्लंघन भी पाए गए, जिनके लिए कुल तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

घरेलू शेयर बाजार में हरियाली बरकरार; सेंसेक्स 200 अंक उछला, निफ्टी 25000 के पार

मुंबई। एशियाई बाजारों में तेजी, अमेरिका–चीन व्यापार वार्ता को लेकर आशावाद और विदेशी फंड प्रवाह के साथ मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में तेजी देखी गई। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने सकारात्मक रुख के साथ कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 235.58 अंक चढ़कर 82,680.79 पर पहुंच गया। ऐसे ही 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 96.1 अंक चढ़कर 25,199.30 पर पहुंच गया।

किसे फायदा–किसे नुकसान?

सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक और एनटीपीसी सबसे ज्यादा फायदे में देखी गई। बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, एचडीएफसी बैंक और टाइटन पिछड़ते नजर आए। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,992.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

एशियाई और अमेरिकी बाजारों का हाल

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए।

महज 29 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को कह दिया अलविदा, खुद दी जानकारी

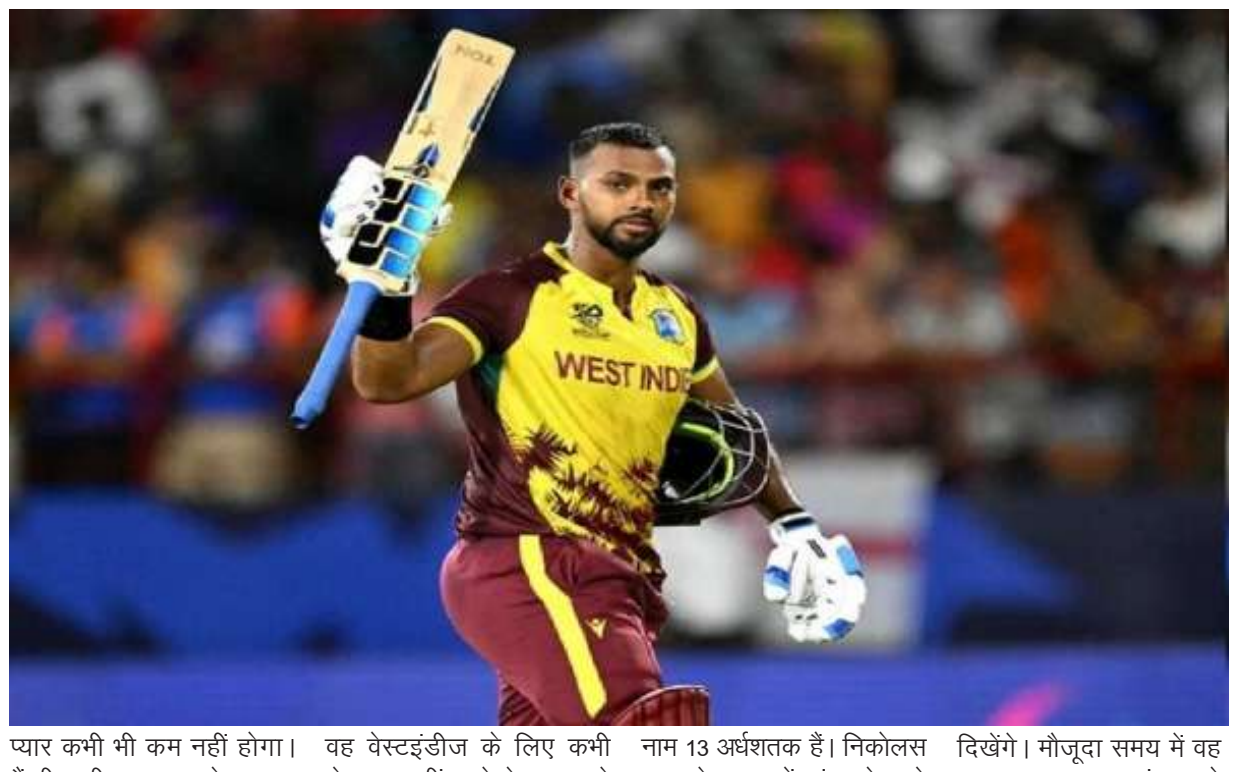

निकोलस पूरन ने मंगलवार को अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह कर सबको चौंका दिया है। महज 29 साल की उम्र में पूरन ने ये फैसला लिया है और साथ ही उन्होंने इसकी जानकारी भावुक पोस्ट करके दी है। निकोलस पूरन ने कहा है कि उन्होंने रिटायरमेंट लेने से पहले बहुत सोच–समझकर विचार किया, और फिर भारी मन से इस फैसले पर पहुंचे हैं। पूरन ने लिखा कि, ये खेल जिससे हम प्यार करते हैं, उसने हमें बहुत खुशी दी है और देता रहेगा। कभी नहीं भूलने वाली यादें और वेस्टइंडीज के लोगों का प्रतिनिधित्व करने का मौका। मैरून रंग पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना 100 प्रतिशत देना। मेरे लिए इसका क्या मतलब है इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। कप्तान के तौर पर टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए हमेशा सम्मान की बात रहेगी। साथ ही पूरन ने अपने फैंस के लिए लिखा कि, आपके अटूट प्यार के लिए धन्यवाद। आपने मुश्किल समय में मेरा साथ दिया और अच्छे पलों को पैशन के साथ सेलिब्रेट किया। अपने परिवार, दोस्तों और साथी खिलाड़ियों के लिए उन्होंने लिखा कि, इस सफर में मेरे साथ चलने के लिए धन्यवाद। आपके विश्वास और समर्थन ने मुझे इस सफर में आगे बढ़ाया। हालांकि, मेरे करियर का ये अंतर्राष्ट्रीय अध्याय बंद हो गया है। लेकिन वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी भी कम नहीं होगा। मैं टीम की सफलता के अलावा कुछ नहीं चाहता।

निकोलस पूरन का क्रिकेट करियर

वहीं पूरन ने 2016 में टी20 अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था, इसके 3 साल बाद यानी 2019 में उन्होंने वनडे में डेब्यू किया। वह वेस्टइंडीज के लिए कभी टेस्ट नहीं खेले। अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में पूरन ने 61 वनडे और 106 टी20 मैच खेले, इसमें उन्होंने क्रमशरू 1983 और 2275 रन बनाए। साथ ही उन्होंने वनडे करियर में 3 शतक और 11 अर्धशतक ठोके हैं। जबकि टी20 में उनके नाम 13 अर्धशतक हैं। निकोलस पूरन ने 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ अपना आखिरी टी20 मैच खेला था।

आईपीएल में पूरन का धमाल

इसके अलावा आईपीएल में भी निकोलस अपने बल्ले से धूम मचाते रहते हैं। फिलहाल वो आईपीएल में खेलते हुए दिखेंगे। मौजूदा समय में वह लखनऊ सुपर जाएंट्स के अहम हिस्सा हैं। आईपीएल का 18वां सीजन पूरन के लिए बेहतरीन रहा। इस सीजन उनका बल्ला खूब बोला और खूब रन बने। हालांकि, उनकी टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई।

पहला आईसीसी खिताब जीतने के लिये दक्षिण अफ्रीका को तोड़ना होगा आस्ट्रेलियाई तिलिस्म

पिछले दो साल में बेहतरीन प्रदर्शन करके विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप फाइनल तक पहुंची दक्षिण अफ्रीका के सामने 'चोकर्स'(दबाव के आगे घुटने टेकने वाले) का ठप्पा हटाने का सुनहरा मौका होगा लेकिन इसके लिये उसे आईसीसी टूर्नामेंटों की दिग्गज आस्ट्रेलिया के किले में सेंध लगानी होगी। ऑस्ट्रेलिया इकलौती टीम है जिसने आईसीसी की चारों ट्रॉफी (वनडे विश्व कप, चौंपियंस ट्रॉफी, टी20 विश्व कप और डब्ल्यूटीसी) जीती है। वैश्विक टूर्नामेंटों के फाइनल में उसे हराना और मुश्किल होता है। टीम आईसीसी टूर्नामेंटों में 13 बार फाइनल में पहुंची है और इसमें से 10 बार खिताब जीतने में सफल रही है। दक्षिण अफ्रीका की टीम अहम मैचों में जीत के करीब पहुंच कर फिसलने के लिए जानी जाती है। टीम ने अब तक आईसीसी का सिर्फ एक टूर्नामेंट जीता है। टीम ने 1998 में चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। दक्षिण अफ्रीका की इस टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और टीम तटस्थ स्थल पर खेले जाने वाले इस मैच के जरिये पिछली विफलताओं को भुलाना चाहेगी। टीम ने डब्ल्यूटीसी के 2023–25 चक्र में सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया। इसमें से ज्यादातर खिलाड़ी सही समय पर रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले निकले। टीम लगातार सात टेस्ट में जीत के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए तैयार है। उसने पिछले साल दिसंबर में ही इसका टिकट पक्का कर लिया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती पारी का आगाज करने के लिए उस्मान ख्वाजा के साथी को तय करने की होगी। टीम के पास भारत के खिलाफ पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने वाले अंतिम एकादश से डेविड वार्नर को छोड़कर बाकी के 10 खिलाड़ी मौजूद है। मध्यम गति के गेंदबाज जोश हेजलवुड उस मैच को चोट के कारण नहीं खेल पाये थे। वह हालांकि उस टीम में शामिल रहे स्कॉट बोलैंड की जगह लेने के लिए तैयार है। हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरते हुए पिछले सप्ताह रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल चौंपियन बनाने में अहम भूमिका निभई। उन्होंने आईपीएल में 12 मैचों में 22 विकेट लेकर दमदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वॉर्नर की जगह लेने वाले का फैसला अब भी नहीं हुआ है। 19 साल के सैम कोंस्टास ने भारत के खिलाफ आक्रामक तेवर से प्रभावित किया लेकिन लेकिन फरवरी में श्रीलंका में ट्रेविस हेड ने इस भूमिका को निभाया। माना जा रहा कि हेड एक बार भी इस भूमिका में दिखेंगे। टीम के लिए मध्यक्रम में मार्नस लाबुशेन की फॉर्म चिंता की विषय है लेकिन हरफनमौला कैमरून ग्रीन ने सर्जरी से वापसी करते हुए काउंटी क्रिकेट में ग्लूस्टरशर का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन शतक जड़ कर शानदार वापसी की है।

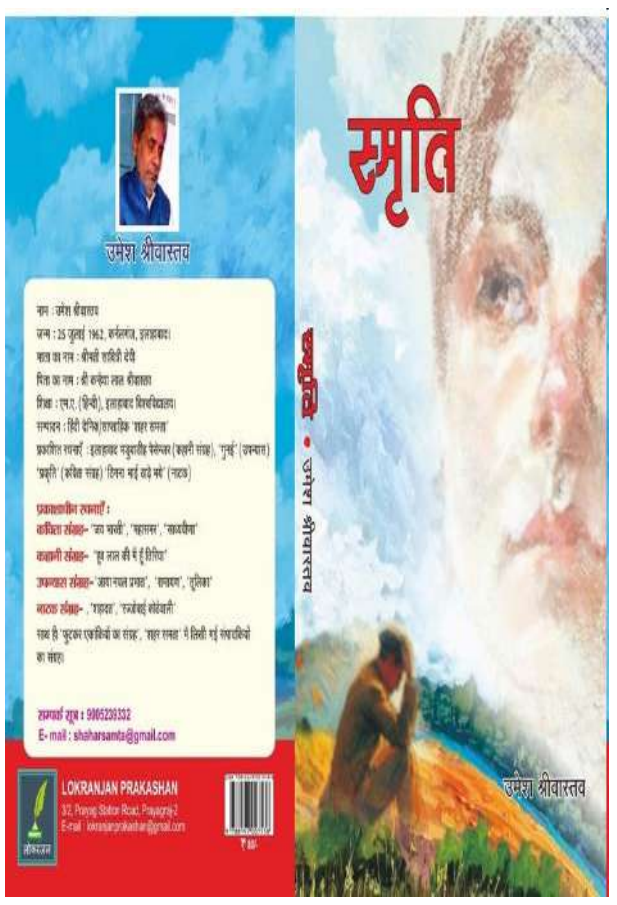

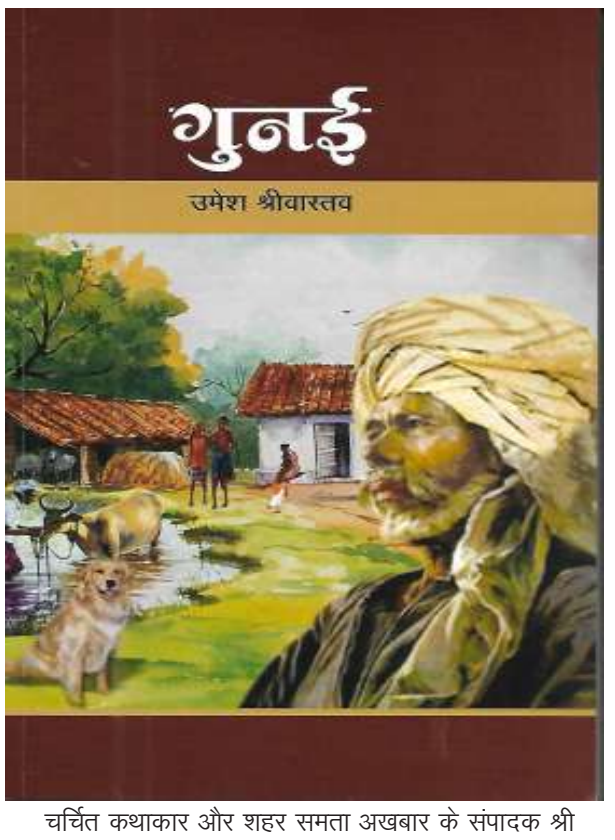

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

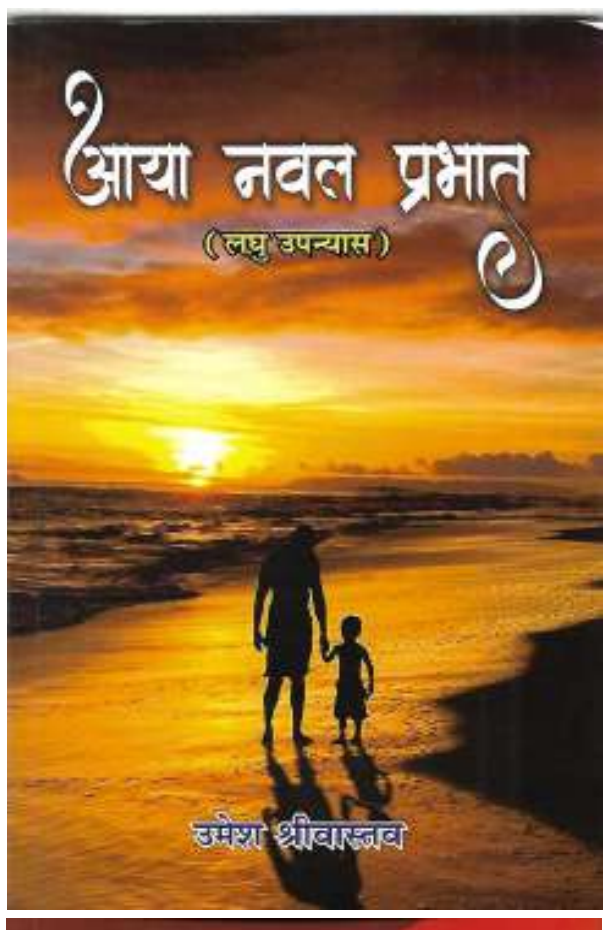

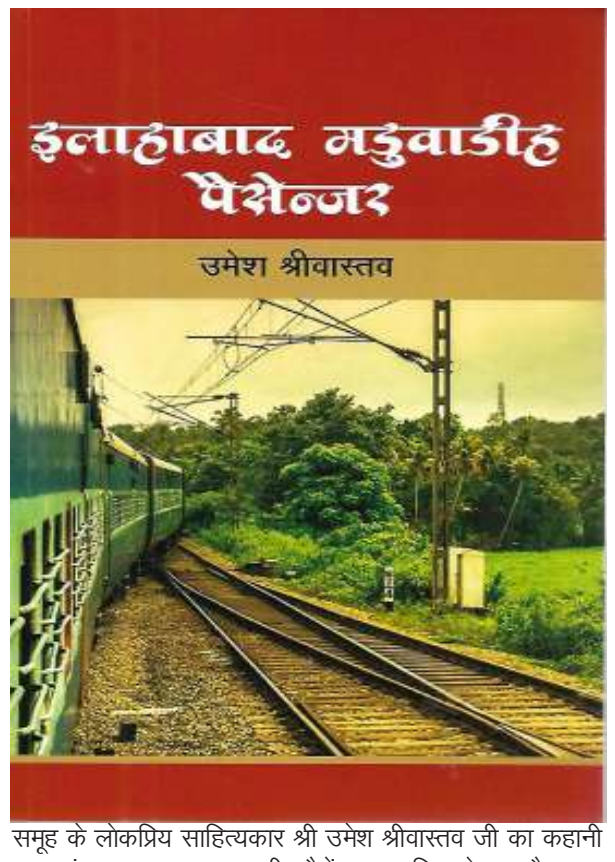

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

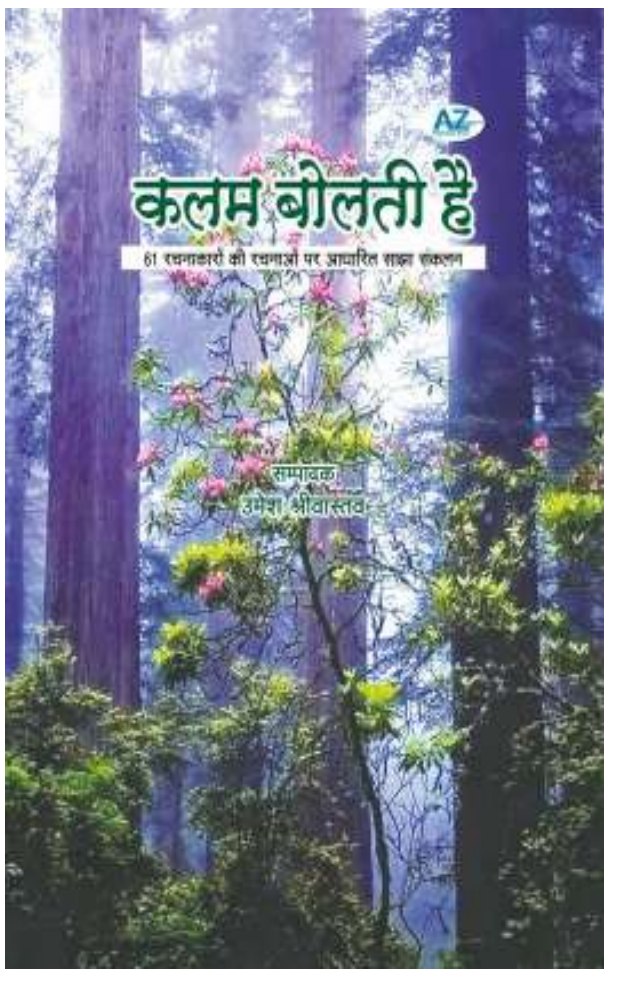

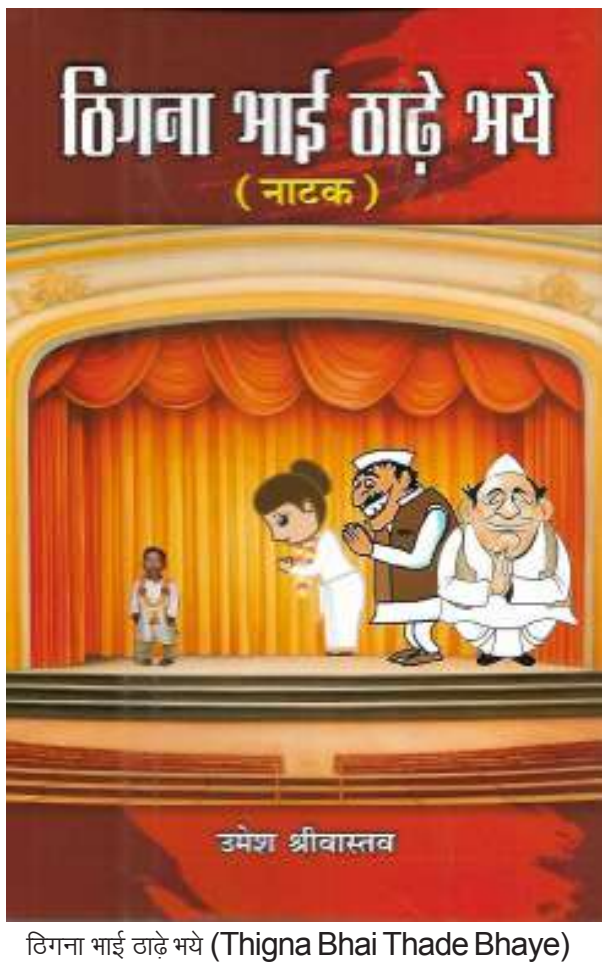

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बांग्लादेश सचिवालय और आसपास के इलाकों को किया गया सील, अब क्या नया खेल खेलने में लगे युनूस?

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को विपक्षी दलों, सिविल सेवकों, शिक्षकों और सेना के साथ असंतोष के संकेतों के बीच तीव्र विरोध का सामना करना पड़ रहा है। वहीं ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने राजधानी की सत्ता के केंद्र में सभी सार्वजनिक समारोहों, जुलूसों और रैलियों पर व्यापक प्रतिबंध लगा दिया है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने सोमवार को मोहम्मद यूनुस के आधिकारिक निवास जमुना गेस्ट हाउस, बांग्लादेश

सचिवालय और आसपास के इलाकों को अनिश्चित काल के लिए सील कर दिया। सुरक्षा बंदोबस्ती ढाका सचिवालय में सिविल सेवकों और अधिकारियों द्वारा यूनुस सरकार के अध्यादेश के खिलाफ हफ्तों से चल रहे लगातार विरोध प्रदर्शनों के बीच की गई है, जो बिना किसी उचित प्रक्रिया के 14 दिनों के भीतर कदाचार के लिए उन्हें बर्खास्त करने की अनुमति देता है। सिविल सेवकों ने इसे ष्अवैध काला कानूनष् करार दिया और इसे तत्काल निरस्त करने की मांग की। बीडी24न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, डीएमपी आयुक्त एसएम सजात अली के अनुसार, सेंट्रल ढाका इलाके में विरोध प्रदर्शन और रैलियों पर प्रतिबंध सार्वजनिक व्यवस्था और मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस, की सुरक्षा के हित में है। मध्य ढाका में विरोध प्रदर्शनों पर नवीनतम प्रतिबंध 10 मई को जारी किए गए इसी तरह के निर्देश के बाद लगाया गया है, जब अंतरिम सरकार ने प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और पुलिस की स्वाट इकाइयों सहित अर्धसैनिक बलों को तैनात किया था। फ़िलहाल, ईद ने विरोध प्रदर्शनों की तीव्रता में अस्थायी विराम लगा दिया है, लेकिन ढाका स्थित न्यूएजबीडी की रिपोर्ट के अनुसार, सिविल सेवकों ने चेतावनी दी है कि अगर 15 जून तक उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे और भी कड़ा आंदोलन करेंगे। 8 अगस्त, 2024 से सत्ता में काबिज यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार बढ़ती चुनौतियों और विरोधों से जूझ रही है। यूनुस ने व्यापक न्यायिक और संस्थागत सुधारों और अप्रैल 2026 के पहले सप्ताह तक स्वतंत्र चुनाव कराने का वादा किया है।

अमेरिका जाने का अधिकार नहीं, भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाने के विवाद के बीच दूतावास का संदेश

अमेरिका के नेवार्क एयरपोर्ट से एक भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाकर वापस भेजे जाने के बाद भारत में अमेरिकी दूतावास ने कहा है कि हालांकि देश वैध यात्रियों का स्वागत करना जारी रखेगा, लेकिन वे अवैध प्रवेश, वीजा का दुरुपयोग या अमेरिकी कानून के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसने यह भी कहा कि अमेरिका की यात्रा करने का कोई अधिकार नहीं है। एक्स पर भारत में अमेरिकी दूतावास ने लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका अपने देश में वैध यात्रियों का स्वागत करना जारी रखता है। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने का कोई अधिकार नहीं है। हम अवैध प्रवेश, वीज़ा का दुरुपयोग या अमेरिकी कानून के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं कर सकते और न ही करेंगे। यह मुद्दा तब शुरू हुआ जब एक एनआरआई ने हथकड़ी लगाने की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और लिखा कि अधिकारियों ने छात्र के साथ एक अपराधी की तरह व्यवहार किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, मैंने कल रात न्यूर्क हवाई अड्डे से एक युवा भारतीय छात्र को निर्वासित होते देखा – हथकड़ी लगाए, रोते हुए, एक अपराधी की तरह व्यवहार करते हुए। वह सपनों का पीछा करते हुए आया था, कोई नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं। एक एनआरआई के रूप में, मैं असहाय और दुखी महसूस कर रहा था। यह एक मानवीय त्रासदी है। सोशल मीडिया यूजर कुणाल जैन, जो एक सामाजिक उद्यमी हैं, के अनुसार, छात्र हरियाणवी भाषा में बोल रहा था और जोर देकर कह रहा था कि वह पागल नहीं है, लेकिन अधिकारी उसे पागल दिखाने की कोशिश कर रहे थे। जैन ने कहा, ष्ये बच्चे सुबह वीजा प्राप्त कर फ्लाइट में सवार हो जाते हैं। किसी कारण से वे इमिग्रेशन अधिकारियों को अपनी यात्रा का कारण नहीं बता पाते और शाम की फ्लाइट से उन्हें अपराधियों की तरह बांधकर वापस भेज दिया जाता है। हर दिन ऐसे 3–4 मामले सामने आ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में ऐसे और भी मामले सामने आए हैं।

निजी अनुवांशिक डेटा को ग्राहकों की अनुमति के बिना बेचने पर रोक की मांग, कई राज्यों ने दायर किया मुकदमा

वॉशिंगटन। अमेरिका के कई राज्यों ने सोमवार को दिवालियापन अदालत में मुकदमा दायर किया है, जिसमें मांग की गई है कि 23ंदकडम कंपनी के पास मौजूद ग्राहकों के अनुवंशिक डेटा को ग्राहकों की मंजूरी के बिना नहीं बेचा जाए। 27 राज्यों और कोलंबिया जिले ने यह मुकदमा दायर किया है। यह मुकदमा ऐसे समय दायर किया गया है, जब एक जैव प्रोद्योगिकी कंपनी घाटे में चल रही 23ंदकडम कंपनी को खरीदने की प्रक्रिया में है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

पाकिस्तान का एक और ब्लंडर, बिलावल ने अमेरिका पर ही लगा दिए आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप

वॉशिंगटन। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी इन दिनों अमेरिका दौरे पर हैं और वहां वे एक बयान से ब्लंडर कर गए हैं, जो पाकिस्तान को भारी पड़ सकता है। दरअसल बिलावल भुट्टो जरदारी ने अमेरिका पर ही आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगा दिया है। बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि अमेरिका ने अफगानिस्तान से निकलते हुए अफगानिस्तान में जो हथियार छोड़े, उनसे आतंकवाद को बढ़ावा मिला है और पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा की चुनौती बढ़ी है।

आतंकवाद पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की बात की

बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि श्हम आतंकवाद की बात करते हैं, हम अफगानिस्तान की बात करते हैं और हम अन्य चीजों पर बात करते हैं। हमने बीते कई दशक इन्हीं मुद्दों पर बात करने में बिताए हैं।श उन्होंने कहा कि यही मुद्दे पाकिस्तान और अमेरिका के संबंधों को लगातार प्रभावित करते रहे हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में और साथ ही पूरी दुनिया में आतंकवाद का केंद्र है। हालांकि भुट्टो ने इस सब से बेखबर होने का नाटक करते हुए आतंकवाद के खिलाफ क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की बात कही।

अमेरिका पर ही लगा दिए आरोप

भुट्टो ने कहा कि हमें क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की जरूरत है कि हमें अब क्या करना है और अफगानिस्तान से अमेरिका के निकलने के बाद वहां जो हथियार रह गए हैं, जो आतंकियों के हाथ लग गए हैं, उनका क्या करना है। जहां तक हथियारों की बात है, आप ये जानकर हैरान होंगे कि जब हम इन आतंकी समूहों से पाकिस्तानी क्षेत्र में लड़ते हैं तो आतंकियों के पास जो हथियार होते हैं, वे हमारे सुरक्षाबलों के हथियारों से भी कई गुना आधुनिक होते हैं। ये हथियार अमेरिका ने अफगानिस्तान में छोड़े थे। बिलावल भुट्टो जरदारी का यह बयान अमेरिका के साथ ही अफगानिस्तान को भी नाराज कर सकता है। जरदारी ने जहां परोक्ष रूप से अमेरिका पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है, वहीं अफगानिस्तान पर भी आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगा दिया। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते पहले से ही सीमा विवाद और आतंकवाद के मुद्दे पर तल्ख चल रहे हैं। हाल के दिनों में दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन जरदारी के ताजा बयान से फिर से रिश्ते पटरी से उतर सकते हैं।

ग्रेटा थनबर्ग को इस्राइल से निर्वासित किया गया, हमास की बर्बरता की डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई

तेल अवीव। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि ग्रेटा थनबर्ग को इस्राइल से निर्वासित कर दिया गया है। इस्राइल ने फ्रांस जाने वाले विमान में ग्रेटा को बिठाते हुए एक तस्वीर भी साझा की। ग्रेटा थनबर्ग का समर्थन कर रहे एक इस्राइली संगठन ने भी इसकी पुष्टि की और बताया कि थनबर्ग और दो अन्य कार्यकर्ताओं ने निर्वासित किए जाने की सहमति दे दी, जिसके बाद उन्हें फ्रांस जाने वाले विमान से भेज दिया गया। हालांकि अन्य कार्यकर्ताओं ने जाने से इनकार कर दिया और फिलहाल वे इस्राइली हिरासत में ही हैं। जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग समेत समेत कई अन्य कार्यकर्ताओं को इस्राइल ने सोमवार को हिरासत में ले लिया है। सोमवार को इस्राइल ने गाजा जा रहे जहाज मैडलीन को जब्त कर लिया था। इस जहाज पर राशन और अन्य जरूरी सामान लेकर ग्रेटा गाजा जा रहीं थी। हालांकि इस्राइली सेना ने रास्ते में ही इस जहाज को जब्त कर लिया और इस्राइली सेना इसे अशदोद बंदरगाह पर ले गई।

हमास की बर्बरता का वीडियो दिखाया गया

इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने बताया कि हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं का बंदरगाह पहुंचने पर मेडिकल चेकअप किया गया। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने बताया कि ग्रेटा थनबर्ग समेत सभी कार्यकर्ताओं को 7 अक्तूबर को हमास द्वारा की गई बर्बरता की डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई, लेकिन उन्होंने थोड़ी देर देखकर डॉक्यूमेंट्री देखने से ही इनकार कर दिया। काट्ज ने कहा कि थनबर्ग और अन्य ने हमास के अत्याचार को देखने से ही मना कर दिया और सच की तरफ से अपनी आंखें बंद कर लीं। गाजा में राहत सामग्री भेजने के इस मिशन का आयोजन फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन (एफएफए) नामक संगठन ने किया था। संगठन का कहना है कि इस्राइली सेना ने अंतरराष्ट्रीय जल सीमा में जहाज पर हमला किया और गैरकानूनी तरीके से जहाज पर इस्राइली सैनिक सवार हो गए। संगठन ने बताया कि जहाज में बच्चों का सामान, खाना, मेडिकल सप्लाई थी, जो गाजा के लोगों की मदद के लिए भेजा जा रहा था, जहां बीते 11 हफ्तों से सामान की सप्लाई बंद है।

एफएफए ने लगाए जहाज और ग्रेटा थनबर्ग के अपहरण के आरोप

संगठन ने बताया कि इस्राइली सेना ने जहाज पर एक सफेद पेंट जैसा तत्व गिराया और जहाज के कम्युनिकेशन को जाम कर दिया। कार्यकर्ताओं ने शिकायत की कि पेंट जैसे तत्व से उनकी आंखों में जलन हुई। संगठन द्वारा सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो में ग्रेटा थनबर्ग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल सीमा से उनके जहाज को जब्त कर उसका अपहरण किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रेटा थनबर्ग को अनोखी, युवा और गुस्सैल बताया और सलाह दी कि ग्रेटा को क्रोध प्रबंधन की कक्षाएं लेने की जरूरत है। हमास ने ग्रेटा को रिहा करने की मांग की और कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल सीमा से जहाज को जब्त किया जाना, अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है।

स्टेम सेल से दुर्लभ बीमारी से उबरा भारतीय मूल का बच्चा, इस्राइल ने हूती विद्रोहियों पर किया हमला

एक–दूसरे के ठिकानों को लगातार निशाना बना रहे रूस और युक्रेन ने सोमवार को 25 वर्ष से कम आयु के युद्धबंदियों की अदला–बदली की। दोनों देशों में हुए समझौते के तहत नियोजित कैदी अदला–बदली की श्रृंखला में पहला कदम है। यह अदला–बदली 2 जून को इस्तांबुल में दोनों पक्षों के बीच सीधी बातचीत का परिणाम थी, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक पक्ष के कम से कम 1,200 युद्धबंदियों की अदला–बदली करने और यूक्रेन में रूस के युद्ध में मारे गए लोगों के हजारों शवों को वापस लाने का समझौता हुआ है। युद्धबंदियों की वापसी और मृतकों के शवों को वापस लाना उन कुछ चीजों में से एक है जिस पर दोनों पक्ष सहमत होने में कामयाब रहे हैं क्योंकि व्यापक वार्ता युद्ध को समाप्त करने के करीब पहुंचने में विफल रही है। यह लड़ाई अब अपने चौथे वर्ष में है। लड़ाई जारी है, रूस ने सोमवार को कहा कि उसके बलों ने यूक्रेन के पूर्वी–मध्य क्षेत्र दिनप्रोपेट्रोव्स्क में अधिक क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है और कीव ने कहा कि मास्को ने युद्ध का अपना सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। कीव में अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को घर आए कुछ यूक्रेनी कैदी युद्ध की शुरुआत से ही रूसी कैद में थे।

मई में अमेरिका को चीन का निर्यात गिरने के बीच दोनों में व्यापार वार्ता

इस हफ्ते लंदन में होने वाली चीन–अमेरिका व्यापार वार्ता में कई नए विवादों पर चर्चा होगी। इस बीच, नए सीमा शुल्क डाटा से पता चला है कि मई में चीन का अमेरिका को निर्यात एक वर्ष पूर्व की तुलना में 35: घटा है, जिससे अमेरिका पर दबाव बढ़ गया, क्योंकि उसके साथ व्यापार वार्ता का नया दौर लंदन में शुरू होने जा रहा है। मई में चीन के कुल निर्यात में 4.8: की वृद्धि हुई, जो अप्रैल में साल–दर–साल 8.1: की वृद्धि से कम है। आयात में साल–दर–साल 3.4: की गिरावट आई, जिससे 103.2 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष रह गया।

अमेरिका ने 37 अवैध नेपाली नागरिकों को स्वदेश वापस भेजा

अमेरिका ने देश में अवैध रूप से रह रहे 37 नेपाली नागरिकों को निर्वासित कर दिया है। आव्रजन विभाग के अधिकारी ने कहा, अवैध नेपाली नागरिकों को लेकर एक चार्टर्ड विमान काठमांडो पहुंच चुका है। यह एक दिन में अमेरिका द्वारा निर्वासित नेपालियों की सबसे बड़ी संख्या है। बताया गया कि इन लोगों ने अमेरिकी आव्रजन कानून तोड़े हैं। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आव्रजन कार्यालय के प्रवक्ता अंजन न्यूपाने ने बताया कि रविवार को वापस भेजे गए इन लोगों के साथ ही अमेरिका में जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार संभालने के बाद से 177 नेपाली नागरिकों को वापस भेजा जा चुका है, जो अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे थे।

महासागर सम्मेलन...समुद्रों की सुरक्षा के लिए दशकों से किए गए वादों को वास्तविकता में बदलने पर जोर

फ्रांस के नीस शहर में सोमवार को तीसरा संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन शुरू हो गया है। यह सम्मेलन समुद्रों की सुरक्षा के लिए दशकों से किए वादों को वास्तविक सुरक्षा में बदलने का राष्ट्रों पर दबाव बढ़ने के बीच हो रहा है। मेजबान शहर नीस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने देशों से महासागरों की सुरक्षा के लिए 'शब्दों से कर्मों की ओर बढ़ने' का आग्रह किया। उन्होंने चेताया कि समुद्र के लिए वर्षों से हमारे द्वारा लड़ी जा रही जैव विविधता, जलवायु प्रवर्तन की लड़ाई के केंद्र में है। गैर–लाभकारी समुद्री संरक्षण संस्थान के अनुसार, यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब समुद्र का केवल 2.7: हिस्सा ही विनाशकारी दोहन गतिविधियों से प्रभावी रूप से सुरक्षित है। यह 2030 तक भूमि और समुद्र के 30: हिस्से को संरक्षित करने की प्रतिज्ञा के तहत सहमति के लक्ष्य से बहुत कम है।

अमेरिका से प्रतिनिधिमंडल नहीं

द. कोरिया, फ्रांस व यूरोपीय संघ ने जलवायु पर आधारित पेरिस संधि का समर्थन किया है, लेकिन अधिकांश बड़े महासागर देशों ने अभी तक इसे अनुमोदित नहीं किया है। नीस में राष्ट्र प्रतिनिधियों और राष्ट्राध्यक्षों से लेकर वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के नेताओं तक शामिल होंगे। अमेरिका ने अभी तक औपचारिक प्रतिनिधिमंडल की पुष्टि नहीं की है।

स्टेम सेल ट्रांसप्लांट से दुर्लभ बीमारी से उबरा भारतीय मूल का बच्चा

सिंगापुर में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट से एक भारतीय मूल का बच्चा दुर्लभ बीमारी से उबर गया। बच्चा मन्नत सिंह मअमतम बवउइपदमक पउउनदवकमपिबपमदबल (ब्व) नामक बीमारी से ग्रस्त था। इसके चलते बच्चे को सामान्य बुखार संक्रमण का बेहद खतरा था। मन्नत सिंगापुर का पहला बच्चा है, जो एससीआईडी से ग्रस्त पाया गया। साल 2023 में बच्चे का स्टेम सेल ट्रांसप्लांट हुआ और उसके बाद से बच्चा स्वस्थ है और खतरनाक बीमारी से उबर चुका है। मन्नत के माता पिता का ताल्लुक भारत से है और फिलहाल वे सिंगापुर के निवासी हैं।

इस्राइल ने हूती विद्रोहियों पर किए हमले

इस्राइल ने मंगलवार को यमन में हूती विद्रोहियों के दबदबे वाले होदेइदा शहर में हमले किए। इस्राइली हमले में हूती विद्रोहियों के कई अहम ठिकानों और बंदहगाहों को भारी नुकसान हुआ है। हूती विद्रोही लगातार इस्राइली ठिकानों को निशाना बनाकर हमले कर रहे हैं। इसी के जवाब में इस्राइल द्वारा भी हूतियों को निशाना बनाया जा रहा है।

रूस ने दो यूक्रेनी शहरों पर किया ड्रोन और मिसाइल हमला; दो लोगों की मौत, 13 घायल

कीव। रूस ने मंगलवार सुबह यूक्रेन के दो शहरों– ओडेसा और कीव को निशाना बनाया। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में दो लोगों की मौत हो घई और कम से कम 13 अन्य घायल हो गए। ताजा हमले रूस द्वारा यूक्रेन पर लगभग 500 ड्रोन दागे जाने के कुछ घंटों बाद हुए। यूक्रेन और पश्चिमी अधिकारी आशंका जता रहे हैं कि 1 जून को रूसी हवाई ठिकानों पर यूक्रेन द्वारा किए गए ड्रोन हमलों के बाद रूस जवाबी कार्रवाई कर रहा है। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर के अनुसार, ताजा हमला दक्षिणी बंदरगाह शहर ओडेसा में हुआ। इस

हमले में प्रसूति अस्पताल और आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि रूसी हमले में शहर में दो लोगों की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए।

कीव पर हुए हमले में चार लोग घायल हुए

दूसरा ड्रोन हमला यूक्रेन की राजधानी कीव में हुआ। पत्रकारों ने घंटों तक शहर के चारों ओर विस्फोट और ड्रोन की गड़गड़ाहट सुनी। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि राजधानी पर हुए हमले में चार लोग घायल हो गए। हमलों के दौरान कीव में कई जगहों पर धुआं उठता दिखा। लोग डर के कारण मेट्रो स्टेशनों में जाकर छिप गए।

मेट्रो स्टेशन में छिपने वालों ने कहा–

अपने 8 महीने के बेटे के साथ मेट्रो स्टेशन में छिपी नीना नोसीवेट्स ने कहा कि मैं कोशिश करती हूं कि डरने के बजाय सब कुछ चुपचाप सह लूं, जैसे कोई चूहा छुप जाता है। अपने बच्चे का ध्यान भटकाने की कोशिश करती हूं ताकि उसे कम डर लगे। एक और निवासी क्रिस्टीना सेमक ने कहा कि धमाके की आवाज सुनकर वह डर गईं और रात 2 बजे मेट्रो स्टेशन की ओर भागीं।

कीव शहर के सैन्य प्रशासन ने बताया कि कई ड्रोन को मार गिराया गया। ड्रोन का मलबा आवासीय भवनों और गोदामों की छपों पर गिरने के बाद कम से कम चार जिलों में आग लग गई। 25 वर्षीय वासिल पेसेंको ने हमले में क्षतिग्रस्त हुई अपनी रसोई में खड़े होकर बताया कि मैं बिस्तर पर लेटा हुआ था और सोच रहा था कि शायद ये ड्रोन इस बार भी निकल जाएंगे, लेकिन तभी एक ड्रोन हमारे घर के बहुत पास आ गया और बड़ा धमाका हो गया।

2018 के हमले के बाद हिरासत में लिए गए इस्लामिक स्टेट के नौ आतंकियों को फांसी, ईरान ने जारी किया बयान

तेहरान। ईरान ने 2018 के हमले के दोषियों पर कार्रवाई को लेकर बयान जारी किया। ईरान ने कहा कि हमले के बाद हिरासत में लिए गए इस्लामिक स्टेट समूह के नौ आतंकियों को फांसी दे दी गई है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी ने मंगलवार को फांसी की घोषणा की। इसमें कहा गया कि आतंकियों को ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के साथ झड़प में शामिल होने के बाद हिरासत में लिया गया था।

इसमें तीन सैनिक मारे गए थे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।